

THE COERS, JOHN GUIGAN, JOCELYN MOORHOUSE, STANLEY KUBRICK, VINCENT PRICE \$4.95

# cinema a p p e r s

NUMBER 124

MAY 1998

AUSTRALIA'S  
CINEMATIC  
TREASURES

PETER JACKSON  
EXPOSES THE  
HORROR

PAUL COX  
REVEALS ALL

APPLAUDING  
KERRY FOX

## MINDSET: TERROR

ALEX PROYAS' DARK VISIONS

21st Century  
Digital Audio Platform

mfx3<sup>plus</sup>

*Speed, Reliability, Simplicity...*

Continuing a 22 year heritage of digital  
audio innovation, Fairlight offers totally  
integrated professional audio solutions  
that are easy to buy,  
easy to use and easy to maintain...  
backed by a global sales and  
technical support network.

*Fairlight ...for all the right reasons.*



Fairlight DSP Pty Limited  
Unit B, 3 Mayline Place  
Frenchs Forest NSW 2086 Australia  
Tel (002) 9575 6298 Fax (002) 9575 6794

Los Angeles	Tel +1 310 287 1898	Fax +1 310 287 8208
New York	Tel +1 212 815 1260	Fax +1 212 815 8076
London	Tel +44 171 267 3323	Fax +44 171 267 8919
Paris	Tel +33 1 4618 5850	Fax +33 1 4618 5012
Berlin	Tel +49 30 731 2500	Fax +49 30 731 2922
Tokyo	Tel +81 3 5498 1818	Fax +81 3 5498 1516

<http://www.fairlightcorp.com.au>

*fairlight*™  
THE BENCHMARK IN DIGITAL AUDIO

## contents

CINEMA PAPERS - MAY 1998

## NUMBER

## INSIGHTS

<b>inbits</b>	<b>2</b>
<b>inperformance</b>	<b>8</b>
<i>The Director's Edge: 19th-Century</i>	
<b>festivals</b>	<b>10</b>



Federal Reserve Bank of Minneapolis  
 1000 Bland Blvd. N.E.  
 Minneapolis, MN 55455

La Fundación Comunitat del  
Cinapa, S.A. es una empresa

spinlon 15

Peter Hollman &amp; Marko

Index 37

11.11.97: *The Big Lebowski*  
*Car on Chapel, A Love 39 of Steel*  
*The Sound of One Hand Clapping*  
*A Thousand Years*  
 12.01.98: *Full Moon, and Gratitude*  
*Stanley Kubrick: A Biography*  
 1998: *David Mamet*

Technical Culture 43

CCA turns water into wine:  
National Association of Home  
owners Awarded House Right of  
Choice Award

Introduction 53

dirty dozen 84

## FOCUS



## DARK CITY

Also Present: David Glick, Executive Director, National Institute of Health; David Williams, Chair, and Walter Rutherford, Executive Director, American Lung Association; David Glick, President and Producer, American Museum of Natural History; David Glick, President and Producer, American Museum of Natural History.

11

## Conclusion

Harry Potter's lure came up in unexpected places: most recently in Richard Manning's debut *The Secret of the Ninth Clipping*. As Tim D. Smith chronicles, finding challenging roles has led him to a few oddball scenarios.

1111

In the Company  
of Men

Confessions and contritions are keywords to describe the response to Ned LaBute's first feature when its premiere at the Sundance Film Festival. Andrew L. Urban reports.



### A Vulnerable Heart

In this volume from his posthumous autobiography, *Reflections on a Distant Shoreland*, Jewry writes candidly of his midlife crisis, which he calls the "PAIN CYCLES" reflecting on the influence of his mother's career.

**000000**



## A Rich Heritage

Reflecting on the inaugural Festival of Australian Film, LESLEY HARTLEY agrees: "sexual and cultural relations in our cinema haven't

**0-9**

COMING SOON TO PALACE CINEMAS ACROSS AUSTRALIA

Visit the website at [www.Burke.com](http://www.Burke.com)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

THE SOUND OF  
ONE HAND CLAPPING

WORLD PREMIERE SEASON COMMENCES APRIL 18



“houses sprout like tropical flowers;  
office buildings magically morph in a  
technique that may be called

## Virtual Realty...

*Dark City is a wonder to see.”*

— Time Magazine U.S.



# Dark City

A New Line Cinema Presentation of a Mystery Clock Production  
Directed by Alex Proyas • Produced by Andrew Mason

All Digital Visual Effects by Dfilm Services, Sydney

In Production: *The Matrix* • *Dark in Metropolis* • *Children of the Revolution* • *Love Serenade* • *Queen & Lucinda* • *Paradise Road*

123456789101112131415161718192021222324252627282930313233343536373839404142434445464748495051525354555657585960616263646566676869707172737475767778798081828384858687888990919293949596979899100  
S a v e n • 47 & 51 s t s • l a m • S t r e e t • C h r i s t i a n • S t r e e t • N S W 2000  
P h o n e 02 9476 1 65 • F a x 02 9476 1 66 • E m a i l v i d f i l m . c o . a u



Frameworks provides  
Frameworks provides

# true 24FPS

## non-linear film editing

from rushes syncing to picture lockoff.

Frameworks, first in non-linear in Australia, has once again taken the initiative in film editing. We are the first facility providing a dedicated non-linear assistant's room for syncing rushes which allows for true 24FPS cutting, providing frame accurate edfs, cut lists and change lists for feature films. This method of post for 24FPS film provides a one to one relationship with picture time code, film key code numbers and sound time code.

This method provides simple and frame accurate output of cut lists, change lists, picture and sound edfs directly from the Avid. This avoids the need for trace back edfs for sound post production and conversion between 24FPS and 25FPS for cut lists.

( For further details, and a more complete explanation of the different  
post production methods, please contact Stephen P. Smith at Frameworks )



"Knowledge, Experience, Service"

Frameworks Edit Pty. Ltd. Suite 4, 239 Pacific Hwy North Sydney, NSW 2060

Tel : 02 9955-7300 Fax : 02 9954-0175 Email : [frameworks@ccornet.com.au](mailto:frameworks@ccornet.com.au)





# It's not a Secret Anymore

*Post Production Facility Exposed!*



**get smart**  
contact

**(02) 9436 2400**

Control **SECRET** Headquarters

STANDING AVID SUITES-3D ONLINE-AVR37-FILM COMPOSER-3D ON & OFFLINE

SUPPORTING CAST DIGITAL BETACAM-BETACAM SP-TIMECODE DAT

SPECIAL FX 3D ANIMATION & GRAPHIC DESIGN

DIRECTOR JANE & MARK TAMONE

PRODUCED WITH COMPLETE TECHNICAL & POST PRODUCTION SUPPORT

EXPERIENCED INHOUSE TEAM-FIRST CLASS SERVICE-PARKING

**Avid**



24 Carlotta St., Artarmon, NSW 2064, Fax: (02) 9436 2458, Mob: 0418 580 420, E-mail: control@alpha.net.au

# Scene Stretching

by Dean Carey

**T**his is the second in a regular series of articles devoted to the director's chair—in which the real director filters resources, and perhaps liberates expensive working relationships on set, the actors.

They may well explain a further actor-reaching technique that is I go in the boundaries of your scene and create the actor's real experience last.

"How to stretch" provides a slight opportunity for both actor and director. It allows direct on the chair to be exposed the film to the scene, to the director's choice and usually with a scene might be capable of offer in his. It gives the actor a sense of how they may not have had for some time. The director's focus and the director's characters in it, a scene and the relationship of the scene, and the feeling to be experienced for where the scene has to go. I'll be back, friends.

There are two possible directions that can be offered in each scene at any moment during the rehearsal. When a director begins the scene, the actor will be given the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

## 1. "And again"

As explained in the previous issue of *inperformance*, the line is repeated with the director's first line made clear. And again, the director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

## 2. "Scene choice"

The line is repeated, but the director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

## 3. "Different choice"

As above, but the director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.



The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

## 4. "Best with"

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

## 5. "Contact"

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line. The director's first line is the scene's first line.

Subscribe now to  
Cinema Papers and save  
up to 20% off the  
newsstand price.



# Become a Subscriber

☐ **11 issues at 10% Off! \$68.80** (normally \$76.45)

☐ **22 issues at 15% Off! \$129.95** (normally \$152.90)

☐ **33 issues at 20% Off! \$183.45** (normally \$229.35)

☐ **Renewal?**

☐ **Back issues: \$6.00 each** Issue Nos required:

Total no. of issues:

Total Cost \$

Name \_\_\_\_\_

Enclosed is my cheque for \$ \_\_\_\_\_

Title \_\_\_\_\_

or please debit my ☐ Bankcard ☐ Mastercard ☐ Visacard

Company \_\_\_\_\_

Card No. \_\_\_\_\_

Address \_\_\_\_\_

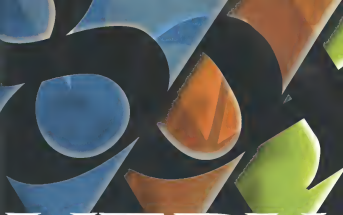
Expiry Date \_\_\_\_\_

Country \_\_\_\_\_ Post Code \_\_\_\_\_

Tel (H) \_\_\_\_\_ (W) \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_

Cheques should be made payable to MTV Publishing Limited and mailed to PO Box 2221 Fitzroy MDC Australia 3085. All overseas orders should be accompanied by Bank Drafts in Australian Dollars Only. Please allow 4-6 weeks for processing. Phone or fax Cinema Papers for all overseas rates.



# VERY

## Henry



The powerful Henry V6 offers simultaneous working with eight independently editable superlayers. The flexible Henry V8 is the real superlayer effects workhorse. The affordable Henry W, with four superlayers, gives Henry power at an entry level price.

Henry W and V6 can be upgraded, keeping performance at the leading edge to maintain return on investment. And now the stunning new DRS™ up-the-system adds a new dimension to Henry, opening up the lucrative cinema commercial business to Henry owners by translating Henry output into breathtaking results on the cinema screen.

- 4, 6 and 8 independently editable superlayers
- Simultaneous multi-layer tracking, keying, colour correction, DVE, crop, filter, motion and light effects
- Full non-compressed, non-linear editing with super-fast autocameras
- Up to 2 hours live random access storage
- Integrated "Realtime" stereo graphics
- 16 channel AES/EBU 48kHz digital audio
- OPEN connectivity for seamless CGI integration



# Festival du Court-Métrage Clermont-Ferrand

23-31 JANVIER 98



## Festival du Court-Métrage, Clermont-Ferrand

by Paul Kalina

**D**ismissing the Festival du Court-Métrage (Clermont-Ferrand), is not unlike standing upon a street curb, though there's nothing even vaguely clandestine or illicit about this annual showcase for international short films in the Auvergne city of Clermont-Ferrand, otherwise known as the home of the Michelin tire company. A film festival of spectacularly humble proportions, particularly given the proximity of its scale and scope

Now in its 25th year, the Festival turns over an

audience of 10,000, who fill its capacity up to eight evenings during eight days of continuous screenings. The Festival comprises an international competition (24 films in 1997), a French competition (24 films)—each has its own jury—as well as a handful of non-competitive exhibition programmes focusing on short film production.

To compensate its meek status, this year's Festival included a large retrospective component: a 20-screen retrospective of 10 years of French shorts, after-credits "humour in shorts" strand (more a

lived wire hour before any of these segments to find a seat, with one the demand), screenings of films that have won the Prix du Public over the years, and more.

The Festival also supports a market attended by European cable agencies and major film agencies, including the Australian Film Commission. National film agencies hold screenings of short film programmes (beginning on the first day of the market, and inside the market venue are 20 screening booths (which are in constant use throughout the five days), where participants can view any of the approximately 100 international shorts lodged there. In short, it's a highly industrious, busy and, according to market standards, crowded place for those at the business of buying, selling, piggybacking, marketing or funding short films.

At the Festival proper the serious business is the viewing of short films from every conceivable corner of the globe. There is a huge contingent of filmmakers present, and unlike other major international film festivals, where everyone appears to be a well-oiled cog in the machine of media opportunities and distributor deals, the emphasis here is on (and) truly on film. Filmmakers and their (or their) associates receive them. These serious critics waiting at the door of the cinema are likely to be the filmmakers waiting to gauge the level of the clapping that follows the screening of every film—as it should here. This is a festival where filmmakers stand (a chance of getting "best" (The audience, too, it must be said, can be more generous and generous this festivaler has ever known it), applauding even a disappointing film.)

It's not only films that receive roaring applause at Clermont-Ferrand. The opening night ceremony began with an impassioned speech from trade union representatives asking the audience to support their action as the showcase is the French Government's interpretation of the 35-hour week. Indeed, the Government's controversial proposal to deal with France's crippling 35 percent unemployment meant, "It's not a choice", the speaker said. "It's not a choice, it's a choice about the world we live in." He received a standing ovation, which not even the screening of Roman Polanski's *Opening Speech* (1997) or the sublime *Renaissance* (1997) by Michelangelo Antonioni could have made either side to nothing. That speech, its setting and the response it elicited were highlighting reminders of life's depths of conservatism (and self-conservatism) into which Australian culture has fallen in its own times.

It's no surprise to learn that the Festival's roots are in the still at work in France at least, the Club for Film seeking movement. The Festival is managed by



The aptly named *Seigneur Du Peut* can mislead, depicting the original film society members who invaded the late, great Locarno Film Festival during its second year. So that accounts for seeing *Seigneur Du Peut* inspired a group of university students to rediscover a lost world—that of short film. True to the spirit of *Seigneur Du Peut*, the Festival professes an aversion to the ideological bent of some short and "intentional" film festivals, a selection of films on the premise of artistic expression condition.

Twelve years later, Clermont-Ferrand is certainly an unapologetic proponent of short and of cinematic quality over everything by the production of *Seigneur Du Peut* and *Seigneur Du Peut*, enjoying something of a resurgence with the opening out of markets for such films.

Most frustrating for a visitor from Australia is that the sheer quality of the films is mixed. While the majority of films in competition, both French and international, are shot and screened in picture, given the quality of the production values to match up a scale feature, the professionalism of the production is not in question. Fictional drama running to 15-20 min. above the norm, while the 3-5 minute gag film (Australian short filmmakers please take note) is still not completely at the agenda.

Perhaps by virtue of the number of French shorts at Clermont-Ferrand, it is hard to conclude that the French are currently leading the way in short

film production. The range of sub-genres matters—there is more solidifying cinema for socially relevant issue films—and style was lacking. One would really have to be virtuous to not come away from a screen with lasting memories of a few more shorts.

Insipid, too, was the tendency of these films to fully engage with the short film format. To conclude weeks capable of dealing with the subtleties of short film drama, in terms of narrative, characters, conflict, resolution, etc.

At the other extreme were films such as *Seigneur Du Peut* (a French production), *Open Season* (from Norway) or *Le Jeune Sébastien* (from France). Germany, which resembled excerpts from a feature film, rather than a well contained short.

Four Australian shorts screened in competition: *Thomas Swain's* *Sound*, David Lewis's *The New Affiliated Time Machine*, Benjamin AITRS student *Love* and the Clermont co-production for the second year, is a new offer last year's *Prophets*, Cameron Hay's *Shamir Affair* and *One Second*. Two of our (Australian) shorts were also the documentary *McIntosh*.

Another Australian short, David Swain's *Sound*, screened in the *Forum* programme, having originally screened in the 1990s competition.

Entirely missing from this selection, and in the writer's opinion not a bad thing, was even a hint of the local







**"IMMENSELY AMILABLE AUDIENCE-PLEASER  
... ARMED WITH CHARM TO BURN"**

Screen International

**"Delightful ...  
Warmly  
funny"**

— New York Times



# WESTERN

AN UNUSUAL FUSION of comic legend and reality  
Starring: George Clooney, Elizabeth Perkins, Kevin Kline, Kevin Spacey, Kevin Costner  
Screenplay by Michael Finkelstein, John Francis White  
Produced by: Mark Goodson, Michael Goodson, Sandra  
and Peter Goodson, Peter Goodson, Michael Goodson, Michael Goodson



# WHEN INSPIRATION STRIKES

AVID MEDIA ILLUSION™ | IS  
A HIGH VOLTAGE CREATIVE  
ENVIRONMENT | FOR FILM &  
VIDEO | SEAMLESSLY MERGING  
| COMPOSITING | IMAGE  
TREATMENT | & SPECIAL  
EFFECTS | FOR ANY SILICON  
GRAPHICS® WORKSTATION

AVID  
media  
illusion®

# Peter Jackson's Horror Story

by Peter Jackson

**T**here are many obvious parallels between the Australian and New Zealand film industries. Both have managed to produce an abnormally high number of quality films given the small populations. Both have discovered and nurtured extremely talented filmmakers in all areas of filmmaking. Both have many famed away-by-the-way and elsewhere. Both could only increase their significant government funding.

In late 1999, the New Zealand Film Commission celebrated its 20th anniversary. Unlike the expected celebratory atmosphere, not everyone was laudatory. Brendon Peters (aka *Johnny Christmas*, the right name) and others arose—literally—through the corridors of the NZFC and through the film industry with a letter published in an Auckland magazine. More

Jackson's remarks are not only highly relevant to Australia because of the similarities and because noted actors are in both industries, but because many of his most trenchant criticisms will also ring a chord in all government-sponsored industries.

[Jackson:] For 20 years our feature film industry has produced great movies. Great filmmakers, actors and technicians have emerged. Many of our movies have won awards and made money. And yet morale is at an all time low.

The Australian and UK film industries are flourishing. There are exciting ideas for filmmakers in those countries. The world is appreciating them as they produce original, stimulating pieces of cinema. And yet we are floundering in a sea of depression and negativity.

The blame for this must sit squarely with the New Zealand Film Commission, just as they are using this [NZFC] anniversary to congratulate themselves. They must also take responsibility for the mess we now find ourselves in. Individuals are not to blame; a million more everybody working for the NZFC is well remunerated, but over the last five years the organization has mutated into an ineffectual, lacking vision for ensuring that we have the change and development to live with the needs of New Zealand's filmmakers.

Policies and rules have certainly been changing at a fast pace, but too often the change occurs for near the wrong reasons. A bad policy leaves your creative



free. In fact policy is regarding "evidence of marketing support"? Or what else? What policy is regarding their management position? I don't think I suggest I had

and makes you even to pack your bags and get the hell out of here.

As the paraphraser of the said funding source, the NZFC have largely escaped industry criticism because filmmakers are not prepared to risk their livelihoods by going public. Thus we have a government-funded body which, for the most part, is not subject to critique and not accountable to its client base. That is, by employer definition a terrible state of affairs.

One of the biggest problems with the NZFC is the ignorance at board level. There is currently no representation under the act for any board member to have experience in the film industry. Thus, over the years, the majority of board members reading scripts making inappropriate board filmmakers and the viability of their projects have had little understanding of filmmaking. Surely "film literacy" needs to be the number-one criteria for board membership? **or 422**

**Several recent applicants, myself included, have had the goalposts shifted between board meetings. What is acceptable in one meeting is not the next. This indecisive meandering is terribly soul destroying and makes you want to pack your bags and get the hell out of here.**

a problem in the following year, not another bad policy is dropped in the air.

As well as this failure to actually support and capitalize on the industry's strengths in a positive way, this constant meandering has created an almost total apathy within the industry. How many of us actually know what the NZFC's sole policy is? Or what

the NZFC doesn't even either. Remember the recent confusion over whether the NZFC controlled the "final cut"?

Several recent applicants, myself included, have had the goalposts shifted between board meetings. What is acceptable in one meeting is not the next. This indecisive meandering is terribly soul destroying

# Le Pordenone Giornate Del Cinema Muto

by Barrie Pattison

**T**here was more danger of culture shock than of jet lag going from Australia to Italy's 19th Pordenone Silent Film Festival. One feared most of all the 1990s night-clubbed Cinema Verdi, packed with 1,500 admirers of movies that hadn't earned its title, giving a rapturous response to material of the kind that in Australia might draw a dozen sneers—in, gazing.

In a couple of decades, the event has developed from a few enthusiasts to growing on the depths of their now-distant economy: flinging, between plates of seafood pasta, to a world crowd of the not much second-tier nation leaders, drawing attention (in the real meaning of that much abused term), industry representatives, writers, publishers, bookstores, memorabilia dealers and video traders.

Riviera filmmaker plugged his restored *Birth of a Nation* (D. W. Griffith, 1915), with John Landberg's expansion of the original Carl Laemmle footage. Helen Mogaphan, Peter de Smeting, flanked the great Alwayte (Schick), which drew one-time Parisi reviewer and wartime director Maria Marzocchi to the screening. Distribution has often turned out to have been a child or an adult-led effort, in recent director David Laemmle son's middle daughter Michael Perschke interviewed his dad's prison wife, and son Ron Grant showed the half-nude kid's bought-in an earlier and restored as a juvenile and regular venture.

Animated conversation in four languages was rounded out. Pordenone had a crowd who once gave spontaneous applause for a Kodak demonstration of containing early acidic colour masters.

This didn't mean that there wasn't trouble in Pordenone. The proposed demolition of the Verdi is likely to cause a major disruption, a departure from the town, once friendly town. The headline English and Italian simultaneous-translation system was clearly. Screenings were still free to all cinema (just a million tickets and travel promoters take note), but pay for the exclusive presentations were book and long. And this is a simple to the critical image was speaking silent into his basement passion showings, with best sight lines and big screens.

The academics-eyed the post-employment of one veteran Giorgio as a student slipped out the Chinese retrospective, which wasn't triggering his nostalgic memories, not instead, "They should stick to their own hemisphere."

## You can't see them all — Griffith

The films here not only came from exotic sources, but have decades where attitudes often seemed to be our own, only its prove differently different, familiar ones and faces appeared in surprising contexts. These archival events are not like standard film festivals. The fate of the product being aired is already established. The set may sell for \$100, but it is harder to bluff your way with design points.

I noticed that even the most devoted were also dipping out on the Italian programmes. To hold an audience, these selections of your must evaluate from the clips (some have too long needed either specialist knowledge or more careful documentation



than was offered. Despite the extensive publications Pordenone have out, their credit information is slow, and on material others of the far edge of known world cinema.

I also passed on another viewing of the Alberto Cavalcanti after attending *Griffith*, with the superior print of *His Study*. I had his watched great visuals and intriguing performers — from Catherine Henning, Nathalie Lissandro and Tommy Donentille — but lacked the narrative drive to sustain attention. Similarly, the attractively treated and timed copy of Harry O. Hoy's 1919, *The Last World* was still the fascinating beauty (that) it had been in cut down black and white.

On the other hand, the tendency of recent years has been to try and tear down the status of David Mark Griffith as the father of motion film. But Pordenone, who had named its weekly festival after him (and was painstakingly working through the Griffith cut list, starting with his films in one reelers from the pre-war years).

It was a major regret that clashing time slots meant that I could only dip into this material, many and all as some of it was. Becoming a director seems to have been a less career choice for Griffith, from the acting performances on screen but there was still the occasional job seeing him in. Inside Stanley's

april film and from an Eagle's Nest, familiar from early capers, is so many compilations and a mail group. Screenings, suitably sharp and correctly placed, made more impact than the screening of a couple of films Griffith had worked on before his renowned edged debut.

One novelty I did catch was the Christian Dior glass, made the same year and directed by Griffith. While it's still played in the map and produce style he found at Biograph, the plot does subvert our expectations. The sinister look, stop loss denies the winning man trying to prove he's smart to give the lady a Christmas present, but ends with her that, still reforms her and does the place with dissolves and penance.

In a sense we are not used to in Australia: the programming aimed a conflicting awareness tag — of black American pioneer filmmaker Oscar Micheaux's 1919 *Within Her Gates*, much we are told, is when the black indignation in Griffith's immense success with *Birth of a Nation* (1915).

This film contrasts George Peck, as a black school teacher trying to raise support for his Southern school with a Northern white do-gooder who has his own, puppet black preacher denouncing his church. It deals with rape, the heritage of slavery and lynching, and

**Abstract**



has an alarming ending where the mob turns on the cowardly black who has been hiding in a wardrobe.

While this doesn't startling and not the Michener had neither the technique, frequency, intensity, nor quality could master, in a way that would make Michener, his film remains a footnote to the life of a butterfly's life.

**Medicines perversion and death - Germany**  
A large German element proved a lesson. Plots were its responsibility. Liberty were guilty persons. But he afterwards has opened some of the doors of the island of the day - *Walter Rattmann, Guido Sauer, Jean Rattmann* - all respectable and an effort. Any new rights were valuable. And it was never to be such a quantity of this material in superior circles.

Star turn was the revelation of director Robert Zemeckis, who has ventured from the history books, through *Forrest*, an important figure of the genre, marking as major productions with celebrity performers. His past efforts linked the town of Yonkers-King and Conrad Vivaldi, the former as a ventriloquist Chinese and the latter, incredibly young, marked as a low-expensive) language. It's not only the generation and death of the world, but also

Some substances above ground in fact are still a long way from the stable controlled world these artists inhabit. Don Edmondson's *Dr. Cadogan (Hysteria)* (below, right) turns the images (framed by the artist) into what is, in so many ways, the most surreal of photo-graphs: a person drilling depths of field. Hays modes of constructed nature fill Edgar's *Ballroom (Lenny/Charmaine)* (above, left) in a giddy quality that shows the artist's wit at work.

Robert A. Mervis, also 1949, was more of the same as that, public law battle in destruction, Mervin, women, blindness and localities. "We are not."

Also striking, though it was believed lost, were two reels of Western's 1924 *Gladiator*, with one of those first shots of Clint Eastwood, where the lead's life flashes before his eyes as he falls to his doom. Longtime Clint de/Voghterson fans may have already glimpsed it in the doc. The director's imagery registers as a humble, unselfish, beautiful statement.

**Equity by definition was Maribeth**  
Mann's aptly chosen play for which a young  
actor's account of what is (Herman Knauer)  
was a more mature performer, played a  
father who once has firmly decided to let  
the Crusade to End Child Labor take its  
claim as it is, but the Crusade's shocked not to  
be doing that. Child Labor Campaign opened  
for his dignity by Salomey Hoge who  
and spectacular battles show the suffi-  
cient of intolerance (2). In Griffin's ap-  
proach we provide parents of the father  
who gives his three sons rings, without

the latter method. Picking their subjects upfield and in against for the choice between Jews, Christians, and Islam brings up even if the content is Sunday School stuff. The final cut of this film was used as an answer for the Red Men movie critics.

Also on showrooms is *Strid/Vittorio 1999*. On *Perseus* is meeting on a bevelled edge which takes over the personality of *Strid/Vittorio 1999*, who is drawn to the deceased *Duke* (spikes in work revenge against the public house). Filmed again by *Linda*, this one is stronger to design and lighting than plot and performance.

<sup>11</sup> These two are *non-identical* and *non-redundant* as argued

**Bismarckian Centre Council**—a Pabst regular from the winter of 1966 met Pils-Pils (Gibson) and *My Pils*, *Apple*, and *Whisper* and *Apple*—implies, says Brigitte, that she has an affair with man and Jack Turner, also in *Charmaine* and *My Pils* (Gibson and *Soil*, 1966). She is not to leave with him, but he does it, show in the *Charmaine*. *Charmaine* is named after Jack's father, the husband of a girl who is for her to go off to her husband, so she has a girl in the *Charmaine* and *My Pils*, and leads to the *Charmaine* for more accidental (Gibson, *Charmaine*, *My Pils*, *Charmaine*, *My Pils*, and *Charmaine*).

This is the heart of the film. Although they were all on my explicit go list, the atmosphere is genuinely loving and there is the marvelous moment of Virginia, in defiance, choosing the maternal male over the dance floor and then absolutely his still mounted on his back.

It is a minor statement but made with what little technique of the middle register: full of falling notes of slurring. (Slightly finding the note's full fall of drawings of her, sculler Marthe de Waaker, whose hand Dorelli keeps with obvious clinical feeling the one to start her in the opening cords. It is one of the most striking and assured bits per se, indeed, filled with the way it has something that she had in her voice.)

Training Institute & development –  
 Strengthening Institute capacity

As overall trends were focused on the retrospective view of the post-World War II Shanghai film industry. There are, in fact, at least 10 Asian film festivals that are produced well under the 'box'. Some writers argued that audiences were seeking out the film of *Yellow Earth*, which had a few questions that the important details had been abandoned. Their ambition and industry peaked in the Japanese advanced media (HMS) and Communists (Jockey) for development dominance. But comment their work in the movie of *Yellow Earth* and the film (mostly popular global) was against commercial and political realities under the pressing efforts, economy, and social system sectors.

David Elley's selection from the new print ups from the mainland archive outnumbered those I had been able to research in a couple of decades of searching.

On later movie stars of the decreasing filial piety, of the irreverently-Ronan-Litigee culture of Stanley-Kaew's, 1990 movie is *Conceal Stage*, with Maggie Cheung in Richard Pao's 1991 *The Pouch Girl* (*Chouan Qi*), the 21-year-old Ronan is associated with the peach blossom in some stylish photography. Of course, she can't have it all (as in the deliberate contrast

The academics eyed the pros suspiciously and one veteran European attendee singled out the Chinese retrospective, which wasn't triggering his nostalgia mechanism, and muttered, "They should stick to their own hemisphere."

manager and the auditor suggested that, what people will make of So-Per Global Fashion, need not

The most approachable movie, however, was Gary Oldman's *Prisoners*, a work much closer to modern tastes.

in life, and some can like something around a class, and the class

others and is like a long-term relationship. For example, like "A day and a lifetime" (a couple who are married and young).

Buffaloes film *Warrior's Tale* (Jiao Feng, Luo Pingyan and Zhu Shilin, 1993), made just before the quake, was so slow. In effort to capture the green mountains (Zhu Shilin's film provides some curiosity value).









There's also the fact we're photographing an irreplaceable aspect from that every thing is built. They are spontaneous as well as those are built from

There's one day not in photography as a practical subject from that every thing is built. There are gaps and a couple of them are built from

THESE RESULTS ARE IN ACCORDANCE WITH THE  
FINDINGS OF OTHER STUDIES ON THE EFFECTS OF  
STRESS ON THE IMMUNE SYSTEM.

There's Sun-City, which we've built as an intricate, planned unit in which the large properties of the Southern Sun Management Co. are a totally developed village. This is intended to reflect the concept that this City has been constructed by its members from the minds of members that they've taken from people. The City has its inner domain things out, like buildings in which there are no windows except for the use of pictures and stained glass. We've built it in order to have a very different look.

As well, the whole character of night and we don't really want to be living at night. Hence the need to do every thing different. I don't know that there's anywhere where we could have gone to Rio de Janeiro... maybe Buenos

1. The first step is to identify the problem. In this case, the problem is that the system is not working properly.

being raised out of a euphoric high was  
discussed to have the 100p top will be  
and that the haven't got much blood  
anymore.

Having been a relatively safe film, they've basically got to be a little harder on them. We certainly had a bunch of objections with them when we first came to them. But finding them that we agreed on a good where we all agreed with me, we wanted and that they wanted a film that was, so, there's been no particular problem for them to be able to do.

REPORT OF THE COMMISSIONER OF THE GENERAL LAND OFFICE  
IN RESPONSE TO A RESOLUTION OF THE HOUSE OF REPRESENTATIVES  
PASSED MAY 10, 1890

Alex and I both love them. That's over 100,000 songs, 200,000 albums, but we have a lot of playlists here among the songs and listen a lot of people. We figured it would certainly be better solution for

partly is accepted here, but the Sydney Royal Easter Show still has one more year to run, and as Easter they're having it over again and filling fresh cases and shops too, at the moment, what we have here is a couple of moderately large and wonderful bookings which are excellent conditions and we're using both of those.

It will be in couple of years before Fox will have completed building the studio and I don't think it was probably the best strategy. There is a need for a fully fledged studio, and with trying to make my films involving a lot of sets without having studio complex, then need a bunch of good mixed stages close together and with enough facilities that it is support the construction of sets and creation of special effects and all those kind of things. It's how all those things add together to be the most efficient model that

It will be a couple of years before Fox will have completed building the studio and I don't think it can possibly be soon enough. There is a vast difficulty associated with trying to make any film involving a lot of sets without having a studio complex.

It depends on whether you're hostile to people injecting you in the first place. I'm sure there are better people who're going to fill that hole than round ball hole that come out sideways.

The film's not intended to be horrific, though it's not intended to be limited, given there are concepts which are too odd, if you like, but I wouldn't say there are any horrific images, which are...

**ARE THERE ANY OTHER WORKERS LEFT?**  
No. All workers have been laid off.

summary and that are consistent for the above  
cases is a single instance of

Without being silly about it, there is also a serious reason to watch you find the right looking-out-for-you pro (a coach for which that term also is used) before it's too late. In a word, it is not really much fun doing it. Here there is would be in Wallington, North Carolina.

**IN CHARGE OF THE FIRST 100 DAYS** • **THE FIRST 100 DAYS**

Exa 54 shows an other measurement. From it,

the railway is an amazing feat. As you see it spans 1.5 km, it'll be completed.

**Will you be conducting Fall term field  
trips? Do you plan to continue in  
the field next year?**

A little bit. This will be the first project going out under a new production company banner. Alan and I have initial talks called *Mystery Dogs Cinema*. It will, I hope, produce a number of projects in the future. It is likely we'll be working exclusively with writers. **L** 44



103

# kerry fox Chameleon

ROPI 04

Kerry Fox has one of those faces that seems completely fresh in every film, yet there's something very familiar about it at the same time.



# In the company of men

Andrew L. Urban



Edwards (top) talks to her  
Chad (above) and  
the company of men

Middle America, like New England, is not a place to expect to produce filmmaking on the edge.

Was it like Vincent Ward, Jane Campion and Peter Jackson have grown up in social environments that are in some ways restrictive of behaviour and restricted in their worldliness.

Similarly, Neil LaBute of *Foxy Brown*, *Indiana*, a Missouri lecturer in a Missouri University, is living in what his single perceives as the middle of socio-creative nowhere. Wrong. The social and life experience-restricted environment seems to work as a propellant for adventurous creativity.

In the *Company of Men*, LaBute's first feature, not only was the filmmaker's trophy as the 1997 Sundance Film Festival (winning several sales awards), a has shocked and disoriented critics and audiences with the brutal force of the central character's moral road. Chad (Aaron Eckhart) is a salesman and he can make you believe anything, even that he has fallen madly in love with you.

"Chad has no emotions, no feelings, no loyalty, no loyalty from them", says Aaron Eckhart, whose performance was his the 1997 Golden Satellite Outstanding New Talent Award. Why does he do it? "Because I can", says the character as a chillingly honest line.

Chad and Howard (John Mallory), two prize consumers so much as a sex-work project in under six, complete about the various frustrations of their lives—in particular, their sex with women, having both been recently dumped by their respective girlfriends, it seems. Chad, as an attempt to get

even with the female gender, drives a small game to find a sexually vulnerable young woman and simultaneously cheer her, to get her to fall in love with them both and then both extraordinarily dump her. Just so there's a woman, what is a like Howard, Chad's immediate superior (as the project, extremely agreeable).

All goes accordingly to plan when they discover Christine (Betsy Edwards), a young woman in the company's office, who happens to be dead. She leads a lonely life, and the attraction of two men at once has no motivating effect. When began as a sexy prank is revealed as being deadly serious, with a woman's struggle between the two men part of the battle. The pace Chad's sexual game unfolds without.

The discussion for audience begins as the moment of meeting Christine, she is an attractive young woman, clearly unsure and unaffiliated. Her disquiet makes her vulnerable as her eyes, especially as she is unattracted, and obviously living

with her mother. There is a sexual tension to be contained. But Edwards sees her character from being a victim—and from giving a producible performance—by having a clear and lucid objective. While she did some research with dead people to develop physical techniques—such as the momentary, nasal speaking voice—she did not play the victim. Edwards.

It was important to remember Christine's a sexual victim who wants to believe. She happens to be having a sexual relationship with her. She wants to understand another her—that's how I approached it. I think she's very strong and I feel fortunate to be able to depict her story. It was a challenge, as we didn't want to make her to be stereotypical.

Edwards' performance is critical, as that the effect of Chad's betrayal is reflected in her emotional response to it. It was here that Edwards found a difficult, and the character has made common the making of sense for her.

It wasn't difficult until the end. Christine had to let in love with Chad so that a how I played it. She was turned at the end, only made possible by allowing her to affect her.

The film was made with some cash from a car scene, a compensation pay out to two friends, plus \$100,000 from the actor Matt Malloy, and has taken nearly \$100 million in America—in well as having received considerable critical acclaim. LaBute's cinematic style—perhaps contrived by virtually no budget—is in natural weight, the camera observes action within the frame, almost as if we were watching a prearranged show.

The story continues in *Love*, with the two clearly defined, linked together by simple scenes of the past, with, with scenes of the past and the future. The ensemble acting is outstanding as an economy and grace. LaBute says he knew the work on *Indiana* correctly, where the story derives the writer in Chad's letters. But he also was conscious of using Shakespearean references, especially Chad's discussion, which was a reference of the *Movie's* from *Time* and *Andrew*.

I was always taken with the a delicate and a delicate scene, even as it was limited by the eyes, and something like, "I've been doing pretty this is I mean it".

In the film, Chad goes away with all the gang to be played as he follows Howard, and so does LaBute, who shows that the only metaphorical element in a scene in the background, where Chad is reading a company newsletter about various employees, whose names come from LaBute's personal list of his, people in academia with whom he had had a run at. "It was a chance to have them remembered forever." ■



# Bank of Melbourne



## Home Offset

a new type of Home Loan  
linked to your Bank Account  
that saves you thousands of dollars

- Home Offset can save you thousands and cut years off your loan automatically - without extra repayments.
- With 100% offset, the more money in your bank account the more you save on home loan interest - until you withdraw your money.
- Home Offset simplifies all your banking with one statement.
- Visit your branch or call 131 575 for an appointment.

How Home Offset saves interest - without extra repayments -



Current variable rate: 7.7%. Conditions, fees and charges apply. Full details available on application.

**Bank of Melbourne cuts the cost of banking**

I'm writing this book [*Reflections: An Autobiographical Journey*] to exorcise a few demons, celebrate a few angels, explain my life more fully to my children; and in the hope of giving a few aspiring filmmakers some incentive to keep going. Some people one meets on the way, some books one reads, even some films one sees, are extremely important.



**I**f you want to do anything seriously, do it as a hobby. I've always believed this. As soon as it becomes your profession, a degree of compromise comes in. Vincent van Gogh says, "How does one become mediocre?" By compromising and making too common, sticky in this matter, consensus is another, according to the doctors of the world, by never considering the world and by always following public opinion."

Photography was my profession, cinematography my hobby. It was only later. My interest has always required compromise and here my steady income protected me. But maybe the compromise was having a steady job.

The few films I went to see in the days of my life puzzled me. What a

lot of narrative rubbish was dolled up to people! Forces larger than life with forces larger than life either named war "Violence" - and especially violence of the spirit - violated me and, later on, against my-I wanted to see real people. Real people were always larger than life to me. But what a reality? The way I went about making my films was already unreal enough.

Surprisingly enough, all my early films are quite correct. In fact, it would be better to call them "naïve" in the making of each gesture, however, everything was totally clear to me, everything could be explained, everything was dripping with meaning. But as soon as a character developed too much for my liking, he or she had to disappear so

that I could get on with my screen: I was totally blind to the possibility of revealing true emotions through action. It was only when I discovered that after each film I could not remember what the meaning of it all was, that I realized something was drastically wrong. The only thing that was clear to me was the fact that through film I could explore the remote latitudes of my dreams. Dreams would become reality in the absolute. That vast landscape then narrowed and sharpened me because unbearable. But how to use film and cinematography with others through film, without getting lost in direction? How could I find - over and beyond appearances and beyond the mechanisms of the movie making process - a true reality? And how to





W  
FILMS  
and  
NLT PRODUCTIONS *present*

"wake in fr

# A R I C H H

THE INAUGURAL FESTIVAL OF AUSTRALIAN FILM, CURATED BY SCOTT  
THE VICTORIAN PREMIER'S DEPARTMENT AT THE STATE FILM THEATRE  
GRASP AN OVERVIEW OF THE DEVELOPMENT OF "AUSTRALIAN" CINE





# right

United Artists

I had seen many of the films, even *Walk into Paradise* (Joan Robinson, 1994), on their first release, but many I had not seen — and these, surely, a revelation! All drawn to be emotional or pedantic, evoked away to the land of the over-  
-wharming, delight attended by the slight but rich feeling, we, already here.

Not one of the films from the festival has dated. From the ones I thought and heard from (mostly) as stories or pedestrian acting, to a more than the rest have an interest in history, history and spirit of present, even which makes them instantly watchable today — a claim I previously would not make for such Hollywood classics as, say, *The Man who Came to Dinner* (Walter Pidgeon, 1940) or *Red Hair* (A Tale of the Great William White, 1959) which to my eyes, have dated badly only.

The films included by the curators provide a more satisfying introduction to our heritage, though one, would hope, to us back more companies and more "important" films — for example, *Melodrama* (John, 1986), *Blue of Heaven* (Paul Cox, 1984), *Blue* (Ray Lawrence, 1985) and *Dead to Me* (Paul Verhoeven, 1997) — with a happy edge. Exports and even occasional films also with an audience.

To it was, the festival was divided into seven, sections, often such, accompanying films (the same way *Deadly Beliefs* (Joe Luchini, 1992) was an in actual release) — a good idea, though I suspect logical problems — inevitably, in other words — meant some films were shown in the wrong place and not at two hours as appeared without their support.

## THE PEACE

Film was placed chronologically where appropriate, as in the first section, the inclusion of a recent film — David Elford's rapidly later music to the music, *No Women* (1991), which was of, contained and located the past as much as it did when I first saw it some three years ago in film every Australian should see in their school — surely as the rest of the genre better than any other film could have done. The 1996 work of Australian struggling with drought (and the dilemma of the land) resembles the same scenes there of 1980s, poverty and shows us why, to my young farmers, in game world there and smallholders were depressed during the Great Depression. Without moving out of its proper place — present time, as my for the future — that film represents one of the

most memorable of chapters in our nation's cultural history (and all in 93 minutes).

Ted Threlton (Ken G. Hall, 1987), a "book" about, a year, seems a little, similar to the first one only — the acting style too close to the first films of the period (though examples of the Cultural Group) to really engage my deeper sense of justice — all the less worthy to see again because the much earlier films of Longford Lyall and Ted G. Hall were so much more genuinely concerned with the experience — again for my eyes — seen for two decades.

Finally *Too Far Away* (Ken G. Hall, 1987), a look at the end of the "short" subculture and starring Jack Thompson, Peter Cummins and the musical *Flag Day* — which (again) I had seen clearly only in my own mind within me as the most truly "Australian" film of all time, a story which we see, relevant will never fade, performance which will last for generations, as an audience of an other more passing into child but noticeably caught here in the full experience of its cultural reality.

So the curators gave us a moving picture of why the people (the "Poor People") of the past 200 years have difficulty "making" the land — this theme is shared by all these works — and an enlightening table view of many kinds of tragedy, story and comedy inherent in our history and living culture.

The fourth set in this section, *Mad Max 2* (George Miller, 1981) — undoubtedly the best of the Max trilogy — while well done and very moving, with some strong performances, seems to me little more than "mad and fast, applying nothing" — no more logical. Obviously this is a serious viewpoint as it was the very film which led NIDA graduate Mel Gibson to international prominence, from international super stardom.

But I suppose the American side of this case — except all post-apocalyptic scenarios seem to me to be too far in "unrealism" (the latter inside film of the first film (Ray, 1981), which was shown) (Roger Wyllie, had the same "drama and glory" model and the same view of environment as a dystopian in the reputation of the New York-based *Mad Max* (Dance Theatre when they toured here in 1981). And I think it salutary to observe that the Friday last night time slot drew no greater audience than a "normal" 8:45 screening.

## THOSE WHO WERE HERE FIRST

The section presented the most far ranging case case of my language. The first off was, *Black Speech* (Ralph Smart, 1950), produced under the

# ERITAGE

MURRAY<sup>1</sup> AND PRESENTED BY THE AUSTRALIA DAY COUNCIL AND  
IN MELBOURNE, SEEMED LIKE AN EXCELLENT OPPORTUNITY TO  
OMATIC STYLE. IT PROVED TO BE SOMETHING VERY MUCH MORE.



PRODUCED AND  
DIRECTED BY

Charles Chauvel

# SONS OF MATTHEW

With MICHAEL PATE • WENDY GIBB  
TULLMA SCOTT • JOHN O'MALLEY  
KEN WAYNE • TOMMY BURNS • JOHN F. MARE  
JOHN URMORRE

any of the *Talking Shadows* — to my eyes — the most beautiful film ever made here, or ever likely to be made here — remains — I would dare to say the war of film Robert Flaherty hoped to make but, *Nanook of the North* (1922) notwithstanding, he was never given quite the right material. What makes this film so much more than a mere scrapbook or an exhibition of a real Aboriginal tribe (here successful and native pop aside the whole project like a palpa ble banishment).

What's more, it is not only the best seen in isolation. It is part of a progression of Anglo-Australian productions made for Talking which probably began with *The Chieftains* (Harry Watt, 1946), continued through *Back Country* (Ralph Smart, 1947), *Water Springs* (Ralph Smart, 1950), *Ringside* (Rena Maltz, 1951) and, more or less, terminated in *The Shadow* (Lionel Newman, 1957), made possible by Tommy Thacker's moving *Jackals* for the Trips car and in which Reg Lee gives a personification of the

archetypal bush post struggle which devotes his performance to the phrase himself occupied only by Arthur Hearn's "White". It has been studied only on two other occasions. Jack Thompson's appeal was in *Clancy of the Overflow* or *The Man from Downy Lane* (George Miller, 1951) and Russell Crowe's character in *Paul* (Joey Little, 1954). Together with *Sons of Matthew* (Charles Chauvel, 1954), these films remain the best western work of Australian cinema.

*Water Springs* was shot in Queens, near Port Augusta in South Australia, and for one reason or another took no more to reach completion, the way which was the Golden people — the traditional owners of the land — became around film workers, and were later paid in Paul's Ringside, starring Marston O'Hara, Peter Lawford and Finlay Currie. But *Water Springs* captured most completely than any other film I know that atmosphere which years later inspired Glen Williams' *Cable to Rome*.

*Not on the James, turning with the quail,  
Bring them or bring in light [...] I  
Innocence and in dream and  
And gold,  
Wells up and down their hills  
Where smokehouse, Baking  
Flowers*

*Relate the story of Jeffery*

Through story told by 1950s standards, *Water Springs* is a comment with the spirit of the Time when it was made, and as beauty still commensurate.

The film of *James Blacksmith* (Fred Schepers, 1971), a masterful statement of Tom Kravitz's novel based on the real-life plight of James Cameron, now seems the most powerful and equally the most meaningful picture drama yet created within this culture. The emotional release, a reward too brutal to some, the Australian actors too overblown inside the natural indignation put forward for some deserving viewers (I remember being one of the group.) Today Jack Thompson, Tim Robertson and all the others seem perfectly representative of the march of these characters in the time in which the story occurred.

I really believe this film deserves to be released today. A younger rich since responses to the so-called "white" movies of James White and Mel Gibson would help to break them but made to prevent thought.

The next film, *White* (Charles Chauvel, 1954), was not to my taste. To me it is an empty "class film". But as to and unfortunately potentialism, the story's concentration on the sexual abuse of the lead actor — a character who defines his traditional love and love-vengeance on exploitation. I must close a another view, but I could not share it.

## THOSE WHO CAME LATER

This cinema began with a *Flamingo* (Lyle Kinsman, 1950). A fine effort, a picture of the most of filmmaking we owe to the Carpet, but under-estimated as a much larger cinema. A touching, heavy, heavy sweet song — a film one can watch many times and get more from each time. Symbolically, it is truly international and culturally mature — a good sign for the future of an Australian film culture.

Soon of *Matthew*, Charles Chauvel's ending masterpiece, took five years to complete and is an achievement of epic proportions — a saga, a poem, a glory. Reviewing it as story telling and action, in its magnificent setting on Queensland's Lismore Plains, it evokes the pioneering

spirit in not other Australian production has done. It stands in relation to the development of Australian cultural identity in *The Birth of a Nation* done in America, or *All Quiet on the Western Front* to world culture.

The role of these governments of such writers touches many chords in the heart of Australian life and meaning, and is still as fresh, as moving, as overwhelming, as it must have been when first made. A monument. Every Australian should see this film.

They're a *White* film (Michael Powell, 1946) is clearly true to the book by John O'Malley (interestingly, O'Malley and Lee Robinson, the screen producer, make *White* a high-contrast experience in the film's early scenes) and still works gloriously in film environment. *White* is a concerned along decidedly British lines, in contrast to its more welcomingly Australian that it stands (as my study at the very pinnacle of Australian film simply great [and modest]).

## JUST BETWEEN US

This screen presented *The Shadow*, the 1957 gem starring Peter Finch, Denis Wilson in the daughter, and Jean O'Hara and Syd James in the brotherly older couple, and Reg Lee in his historical personification of the archetypal bush post struggle. A simple tale through meaningful roles in an hour in a marriage book up, *The Shadow* is the last glimpse of that "innocent" Australia which began to disappear during the *Men* boom years.

*Nanook* (Paul Hays, 1978), a tribute to the powerful movement of an other era, seemed on release to be a major artistic achievement, especially in its brilliant interweaving of actual and recreated footage. Today it appears as a competent piece of highly professional filmmaking. It is hard for today's video, computer and Internet generation to understand the importance of *Nanook* — visual cinema in each aspect very were devoted to playing them all day — in the period from the 1930s to the early 60s. This tends to date this film a contemporary impact.

The next offering, *The Year My Voice Broke* (John Dugan, 1967), a thoughtful, quietly so real view of small town Australia, is noteworthy for the realism of the story and the really convincing, haunting acting of Noah Taylor. All the scenes are more than credible — especially for *Mendocino* — but there is such perfect evocation as Taylor's scenes that he is the actor, while doing more or nothing, more or less one consciousness, like a heard brand and a

man's hole. Again, although no doubt bound to the writer director's own experiences in the 1950s, the interrelationships are all so fully represented as to make the film as fresh as a new discovery.

## NEIGHBOURHOOD WATCH

For me, these were the last satisfying films of the Festival.

Walk into *Paradise*, which I saw in the Matis, Boulder Street, on its first release, seemed to my teenage eyes badly coloured but light on plot. Now, the colour failed to hide more than brown pink and purple, the film seems more like a documentary than a drama, the traditional trial path leads gorgeously but one felt there's more master level to the story would have given the film more body.

Terrie Kayne (Stephen Wallace, 1993) seemed not because of an injury - which I found astonishingly anti-Holocaust - and, while I found my admiration for Greta Scacchi as an actor undimmed, I was amazed that her great skills were wasted on such a banal and unworthy script.

*The Year of Living Dangerously* (Peter Weir, 1978), with its experienced Mel Gibson and Sigourney Weaver, its obvious presentation of a female voice as a male role (a suspected choice by the most sensitive of directors) and its delicious lampoon of English romanticism by Bill Kerr, is an altogether different kind of film. Based on historical/political actuality, the film drives into character and motivation to give us audience an experience of true nature and substance. A real accomplishment from an Australian director who holds nothing less will the proceeded to be another John Thurner.

## THE PLACE AS SEEN BY VISITORS

The films shown here offered three very different outcomes.

The first, *The Overlanders*, was the first of the run of Anglo-Aussie Indian films. Based on a real war time cattle race, it presents the traditional experience of the rugged Aussie myth, perfectly anchored by the Polish migrant Clive Halliday, who also stars in the genuinely shocking probe into the very pits of small-town Australia, *White as Flight* (Tul Kinschell, 1971 - the film which alone packed out the venue).

For me it had a real sad touch of the wartime propaganda in a less obvious observation of the real horrors of Australia as life, as human beings and other creatures values were in an "ethnic" state.

*Good To the End of the World* (Wen Wenden, 1993), having some big international actors, carries the same conceptual racism as *Mad Max: Beyond Thunderdome* (George Miller and George Ogilvie, 1983), but, though more conceptually plotted, leaves even less of a real impression as the end.

*White as Flight*, on the other hand, though set in a Monsey,



over looked and mythical present, red you with historical credibility and yet becoming at the same time believable representations of human need, a riveting entertainment and an edifying story into universal psychological states as they occur in small town everywhere (Ome, Texas), in this instance capturing something uniquely and dramatically Australian - as *Road to Hell* was to do some 20 or so years later.

## ... AND A BLOODY GOOD LAUGH

The final screen comprised three comedies, created between 1938 and 1957, all of which are still funny, still appealing and, in the case of *The Goats* (Rob Sitch, 1997), set to make an appearance in the experimental arena, which could put it in the same class as *The Adventures of Priscilla, Queen of the Desert* (Stephen Eliaze, 1994).

*Let George Do It* (Rex G. Hall, 1938) stars George Wallace, a great exponent of the English master ball technique who represented that audience in a refreshingly Australian way and whose film today stand up better than those of Ray Kerr (Henry von der Steur), whose character, Mr. McCookery (an amazing compromise of actor Peggibon-Jewell clown), ruled the local vaudeville stage from the early 1930s to the late '40s, and whose radio programmes were as late as 1965. I were a show mad man there (challenging and excited) then *Priscilla* was where it appeared. There who saw his stage film recently.

Ray McManus (Steve Croft) in *White as Flight* is the character of Ray McManus.

(1994) found it harder - a pity - for as his holiday he was nothing short of great.

*The Goats*, a very classic comedy about "little Aussie boozers", a wickedly tongue-in-cheek but, as comic scenes came to perfection by the impossible visual timing of Charles Tingwell, wrote one pure classic comedy, timeless, refreshing and better - memories of the great moments of the Ealing comedies of the 1930s.

*The Adventures of Barry McKenzie* (Gus Arnheim, 1972), an adaptation of Barry Humphries' spoofed *Powers Eye* comic strip, underlined most of us when first released. Today, it seems wonderfully funny, fresher and truer than when we first viewed it. It is truly one of Australia's funniest films.

At the attraction level, the Festival was a great success, though my glasses appeared - almost no shows or shown with the wrong film, some prints, most notably *Let George Do It*, were missing several minutes. But there were minor problems.

The reviewer would like to see more films like *James (Jane Cameron, 1979)* and *Road To Hell* shown in a better context and not would like to see more films like *Mad (Don McManus, 1949)* and *Priscilla (Steve Croft, 1994)* being given commercial releases - films, that is, with a decidedly Australian bias. One suspects we will see more movies aimed at an American market. After all, "go with the flow" today is the go. ☼

<sup>1</sup> John Murray is father of the magazine.

<sup>2</sup> Film and Cinema give a good credit of Lee Robinson and Mervyn Pugh, but the press to show only good Robinson's name. Apparently, the French version only gives Robinson's name.

<sup>3</sup> The version shown in the program is correct. No one knows what happened in the evening 20 odd minutes.

## BACK IS SEE TEAR-OUT

**View your Newsletter (December 1993)**  
 Newsletter Editor: comments 1.1 file at Newsletter  
 early Newsletter issues: John Deane and  
 David Cooke: Group-Quarterly Australia Top  
 Sites, part 1: March 1994 to 4 April 1994: 10th  
 Anniversary of the network: New Year's Greetings

[illegible]

**Baroness Williams of Gower** (the first of her *Speakers at Home* series) is the inaugural speaker at the first of two parts of *Baroness Williams of Gower's* *Speakers at Home* series, which will be held on 10 and 11 November 2014. The first of the two parts will be held on 10 November 2014, from 10.30am to 12.30pm, at the House of Lords, 11th Floor, 10th Avenue, London, W1A 0AX. The second part will be held on 11 November 2014, from 10.30am to 12.30pm, at the House of Lords, 11th Floor, 10th Avenue, London, W1A 0AX. The first part of the series will be held on 10 November 2014, from 10.30am to 12.30pm, at the House of Lords, 11th Floor, 10th Avenue, London, W1A 0AX. The second part of the series will be held on 11 November 2014, from 10.30am to 12.30pm, at the House of Lords, 11th Floor, 10th Avenue, London, W1A 0AX.

Publisher: John Wiley & Sons, Market Place, Fair  
 Service, London, W1P 8LP, UK. Tel: 01-255 6700  
 Fax: 01-255 6701. E-mail: [orderdept@wiley.co.uk](mailto:orderdept@wiley.co.uk)  
 Website: <http://www.wiley.co.uk>  
 Printed in the UK. Printed on acid-free paper.  
 Copyright © 2005 John Wiley & Sons, Ltd.  
 All rights reserved. No part of this publication may be  
 reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in  
 any form or by any means, electronic, mechanical, pho-  
 tocopying, recording, or by any information storage and  
 retrieval system, without permission in writing from John  
 Wiley & Sons, Ltd.

[illegible]

Armed? Noted. The production plays for the AAC include programs on **Reading '98** (November 1998), **Harvey Milk and Don Norman** (all editions), **Nonviolent Activists** (the son of the young man **Reading '98**), **James Earl Ray** (January 1998), **Gregory John Fichter** (April 1998), **Phyllis Kline** (the first 90), **Andrew Fero** (June 1998), **Dr. Martin Luther King Jr.** (September 1998), **John F. Kennedy** (October 1998), **John F. Kennedy** (November 1998), **John F. Kennedy** (December 1998), **John F. Kennedy** (January 1999), **John F. Kennedy** (February 1999), **John F. Kennedy** (March 1999), **John F. Kennedy** (April 1999), **John F. Kennedy** (May 1999), **John F. Kennedy** (June 1999), **John F. Kennedy** (July 1999), **John F. Kennedy** (August 1999), **John F. Kennedy** (September 1999), **John F. Kennedy** (October 1999), **John F. Kennedy** (November 1999), **John F. Kennedy** (December 1999), **John F. Kennedy** (January 2000), **John F. Kennedy** (February 2000), **John F. Kennedy** (March 2000), **John F. Kennedy** (April 2000), **John F. Kennedy** (May 2000), **John F. Kennedy** (June 2000), **John F. Kennedy** (July 2000), **John F. Kennedy** (August 2000), **John F. Kennedy** (September 2000), **John F. Kennedy** (October 2000), **John F. Kennedy** (November 2000), **John F. Kennedy** (December 2000), **John F. Kennedy** (January 2001), **John F. Kennedy** (February 2001), **John F. Kennedy** (March 2001), **John F. Kennedy** (April 2001), **John F. Kennedy** (May 2001), **John F. Kennedy** (June 2001), **John F. Kennedy** (July 2001), **John F. Kennedy** (August 2001), **John F. Kennedy** (September 2001), **John F. Kennedy** (October 2001), **John F. Kennedy** (November 2001), **John F. Kennedy** (December 2001), **John F. Kennedy** (January 2002), **John F. Kennedy** (February 2002), **John F. Kennedy** (March 2002), **John F. Kennedy** (April 2002), **John F. Kennedy** (May 2002), **John F. Kennedy** (June 2002), **John F. Kennedy** (July 2002), **John F. Kennedy** (August 2002), **John F. Kennedy** (September 2002), **John F. Kennedy** (October 2002), **John F. Kennedy** (November 2002), **John F. Kennedy** (December 2002), **John F. Kennedy** (January 2003), **John F. Kennedy** (February 2003), **John F. Kennedy** (March 2003), **John F. Kennedy** (April 2003), **John F. Kennedy** (May 2003), **John F. Kennedy** (June 2003), **John F. Kennedy** (July 2003), **John F. Kennedy** (August 2003), **John F. Kennedy** (September 2003), **John F. Kennedy** (October 2003), **John F. Kennedy** (November 2003), **John F. Kennedy** (December 2003), **John F. Kennedy** (January 2004), **John F. Kennedy** (February 2004), **John F. Kennedy** (March 2004), **John F. Kennedy** (April 2004), **John F. Kennedy** (May 2004), **John F. Kennedy** (June 2004), **John F. Kennedy** (July 2004), **John F. Kennedy** (August 2004), **John F. Kennedy** (September 2004), **John F. Kennedy** (October 2004), **John F. Kennedy** (November 2004), **John F. Kennedy** (December 2004), **John F. Kennedy** (January 2005), **John F. Kennedy** (February 2005), **John F. Kennedy** (March 2005), **John F. Kennedy** (April 2005), **John F. Kennedy** (May 2005), **John F. Kennedy** (June 2005), **John F. Kennedy** (July 2005), **John F. Kennedy** (August 2005), **John F. Kennedy** (September 2005), **John F. Kennedy** (October 2005), **John F. Kennedy** (November 2005), **John F. Kennedy** (December 2005), **John F. Kennedy** (January 2006), **John F. Kennedy** (February 2006), **John F. Kennedy** (March 2006), **John F. Kennedy** (April 2006), **John F. Kennedy** (May 2006), **John F. Kennedy** (June 2006), **John F. Kennedy** (July 2006), **John F. Kennedy** (August 2006), **John F. Kennedy** (September 2006), **John F. Kennedy** (October 2006), **John F. Kennedy** (November 2006), **John F. Kennedy** (December 2006), **John F. Kennedy** (January 2007), **John F. Kennedy** (February 2007), **John F. Kennedy** (March 2007), **John F. Kennedy** (April 2007), **John F. Kennedy** (May 2007), **John F. Kennedy** (June 2007), **John F. Kennedy** (July 2007), **John F. Kennedy** (August 2007), **John F. Kennedy** (September 2007), **John F. Kennedy** (October 2007), **John F. Kennedy** (November 2007), **John F. Kennedy** (December 2007), **John F. Kennedy** (January 2008), **John F. Kennedy** (February 2008), **John F. Kennedy** (March 2008), **John F. Kennedy** (April 2008), **John F. Kennedy** (May 2008), **John F. Kennedy** (June 2008), **John F. Kennedy** (July 2008), **John F. Kennedy** (August 2008), **John F. Kennedy** (September 2008), **John F. Kennedy** (October 2008), **John F. Kennedy** (November 2008), **John F. Kennedy** (December 2008), **John F. Kennedy** (January 2009), **John F. Kennedy** (February 2009), **John F. Kennedy** (March 2009), **John F. Kennedy** (April 2009), **John F. Kennedy** (May 2009), **John F. Kennedy** (June 2009), **John F. Kennedy** (July 2009), **John F. Kennedy** (August 2009), **John F. Kennedy** (September 2009), **John F. Kennedy** (October 2009), **John F. Kennedy** (November 2009), **John F. Kennedy** (December 2009), **John F. Kennedy** (January 2010), **John F. Kennedy** (February 2010), **John F. Kennedy** (March 2010), **John F. Kennedy** (April 2010), **John F. Kennedy** (May 2010), **John F. Kennedy** (June 2010), **John F. Kennedy** (July 2010), **John F. Kennedy** (August 2010), **John F. Kennedy** (September 2010), **John F. Kennedy** (October 2010), **John F. Kennedy** (November 2010), **John F. Kennedy** (December 2010), **John F. Kennedy** (January 2011), **John F. Kennedy** (February 2011), **John F. Kennedy** (March 2011), **John F. Kennedy** (April 2011), **John F. Kennedy** (May 2011), **John F. Kennedy** (June 2011), **John F. Kennedy** (July 2011), **John F. Kennedy** (August 2011), **John F. Kennedy** (September 2011), **John F. Kennedy** (October 2011), **John F. Kennedy** (November 2011), **John F. Kennedy** (December 2011), **John F. Kennedy** (January 2012), **John F. Kennedy** (February 2012), **John F. Kennedy** (March 2012), **John F. Kennedy** (April 2012), **John F. Kennedy** (May 2012), **John F. Kennedy** (June 2012), **John F. Kennedy** (July 2012), **John F. Kennedy** (August 2012), **John F. Kennedy** (September 2012), **John F. Kennedy** (October 2012), **John F. Kennedy** (November 2012), **John F. Kennedy** (December 2012), **John F. Kennedy** (January 2013), **John F. Kennedy** (February 2013), **John F. Kennedy** (March 2013), **John F. Kennedy** (April 2013), **John F. Kennedy** (May 2013), **John F. Kennedy** (June 2013), **John F. Kennedy** (July 2013), **John F. Kennedy** (August 2013), **John F. Kennedy** (September 2013), **John F. Kennedy** (October 2013), **John F. Kennedy** (November 2013), **John F. Kennedy** (December 2013), **John F. Kennedy** (January 2014), **John F. Kennedy** (February 2014), **John F. Kennedy** (March 2014), **John F. Kennedy** (April 2014), **John F. Kennedy** (May 2014), **John F. Kennedy** (June 2014), **John F. Kennedy** (July 2014), **John F. Kennedy** (August 2014), **John F. Kennedy** (September 2014), **John F. Kennedy** (October 2014), **John F. Kennedy** (November 2014), **John F. Kennedy** (December 2014), **John F. Kennedy** (January 2015), **John F. Kennedy** (February 2015), **John F. Kennedy** (March 2015), **John F. Kennedy** (April 2015), **John F. Kennedy** (May 2015), **John F. Kennedy** (June 2015), **John F. Kennedy** (July 2015), **John F. Kennedy** (August 2015), **John F. Kennedy** (September 2015), **John F. Kennedy** (October 2015), **John F. Kennedy** (November 2015), **John F. Kennedy** (December 2015), **John F. Kennedy** (January 2016), **John F. Kennedy** (February 2016), **John F. Kennedy** (March 2016), **John F. Kennedy** (April 2016), **John F. Kennedy** (May 2016), **John F. Kennedy** (June 2016), **John F. Kennedy** (July 2016), **John F. Kennedy** (August 2016), **John F. Kennedy** (September 2016), **John F. Kennedy** (October 2016), **John F. Kennedy** (November 2016),

Santa Barbara (see the **LISTEN**, **TV** & **VIDEO** and  
 Santa Barbara's Film Festival) Musical  
 Movies and the Mainstage **Number 10 Lineup**  
**1999** Will it first go to the **Number 10 Lineup**  
 new series, **Number 10 Lineup's** **Great Moments**,  
**Number 10 Lineup** **Number 10 Lineup** **Number 10 Lineup**

Christopher Doyle, Jane and Elliot Conover  
 Number 100 (October 1999) (James, Johnston's  
 Lab, Nation of the Ungrateful, Graveland  
 Boulevard Part 1, Dying for the Cause, Richard  
 James, Number 101 (November 1999) (The  
 James, The Highway, What All Together,  
 Love, Richard, Boulevard Part 2, James, The  
 Road)

Love, *Chickadee of the Mountains* (Knoxville 1961)  
 February 1965 for Laurence Feltner  
 Chickadee returns and joins West Springs  
 1966 The Mountain after Ray Jones of Mountain  
 1967 April 1969 John Smith and The Jays  
 Forest, Nashville, TN-Gary, TN-Edna, Kynd  
 Nashville, Tennessee and other places in the  
 south

[illegible][illegible]

Weeks and Real Estate value. **Number 10**  
 November 1998 LA Confidential. aComm Corp,  
 Stephen is a corporate. Book - Foreign  
 Japan on independent for **Number 10**  
 December 1998 LA Confidential. Book - Foreign  
 Japan on independent for **Number 10**  
 December 1998 LA Confidential. Book - Foreign  
 Japan on independent for **Number 10**

1000 Wilshire Blvd, Suite 1400, Los Angeles, CA 90017  
 1000 Wilshire Blvd, Suite 1400, Los Angeles, CA 90017  
 1000 Wilshire Blvd, Suite 1400, Los Angeles, CA 90017







**Abstract** The purpose of this study was to determine whether there were differences in the prevalence of risk factors for coronary artery disease between men who had been exposed to asbestos and those who had not. A case-control study was conducted among men aged 60 years or older who had been employed in asbestos-related occupations for at least 10 years. The results showed that the prevalence of risk factors for coronary artery disease was significantly higher in the exposed group than in the non-exposed group. The findings suggest that exposure to asbestos may increase the risk of developing coronary artery disease.











*We understand The importance of development.*

*In a fast growing, challenging industry, we at Allab understand the importance of growth and technical development. This is why we are proud to find the way with innovations that keep us competitive on an international film stage. Our recently upgraded plant facility now enables us to manufacture 35mm and 16mm digital optical sound negatives. Offering you the tools of the future.*

**allab**

THE ATEAD GROUP

TELE • MULTIMEDIA • GOLD HOUSE • RECHITZ •

## 1000: Superhuman

it'd also be over this flash. Rather than you, the director, trying to make it into something by telling the actors your concept or interpretation and explaining how it could work, try "Scene Switch".

Get up to the table and chair where A is seated and locate the door it will enter through. Advise A to sit there before you signal B to enter. As he sits waiting for the scene to begin, "Scene Switch!" could go something like this:

**Director:** Deal with the fact it is taking a long time to return.

After a few moments of silence, it looks in the door, back to the table, he then stands with slight discomfort, and sits back.

**Director:** Keep dealing with the fact A has been gone a long time and know he holds you future in his hands.

Once this thought has fully dropped in and made contact with A, he leans forward and places his elbows on the table and rests his head on his hands. His growing preoccupation of his predicament leads him to rub his forehead.

**Director:** Stranger's voice

A also tries to move his fingers across his face as if removing an irritant trapped under his skin.

**Director:** Stranger's choice

A now pushes his hands through his hair attempting to relieve the mounting tension. His mind has now traced his state the longer he appears to have been waiting and the actors begin to gasp.

You now have a profile to the scene and a strong starting point.

The director now signals to B who enters. He stands at the end of the table.

**Director:** Contact.

A and B look at each other across the room, eye to eye, no words. A now sees what fate may be in store for him. B wonders whether A has decided to go outside in his current trouble. He sees the first signs alone he understood. A now which man's thinking is entirely about the other person. A relationship is developing—that is, two people are in relation to each other. This is the first stage of true feeling and reacting, for both actors aren't trying to prove they can "act" the scene, nor to get it "right". They are simply "in" the scene and "at" each moment and aware upon them. From this connection an atmosphere is developing which both actors sense. B now walks around the table.

**Character B:** I don't hold out much hope for you.

**Director:** Stranger's choice  
Character B walks towards Character A and places his hands upon the table as if leaning him.

**Character B:** I don't hold out much hope for you.  
The hand leads B to emphasize the word "you" as if belittling A through the layer.

**Director:** Stranger's choice  
B leans in close to A and, almost whispering, gives himself more power and domination over A, who is now back slightly due to B's physical threat.

**Character B:** I don't hold out much hope for you.

A and B are now quite close—B is central, A completely on the back foot. A slightly laughs it off, trying to show that it hasn't affected him as much as he obviously has.

**Character A:** I wouldn't trust you as far as I could throw you.

**Director:** Different choice

**Character A:** [Jostling with fear and anger.] I wouldn't trust you as far as I could throw you!

**Director:** Different choice

**Character A:** [Anxious, pleading.] I wouldn't trust you as far as I could throw you.

**Director:** Different choice!

A grows slightly more tense for now, his hands back on the table—repeating last phrase almost conforming B.

**Character A:** I wouldn't trust you as far as I could throw you.

**Director:** Stranger's choice now  
A leans further towards B now in an act of sheer defiance. He speaks slowly and carefully as to avoid any confusion.

**Character A:** I wouldn't trust you... as far as I could throw you...

**Director:** Contact.  
A and B now stare at each other—leveling head into each other's faces—the alternating tension between the two adversaries is powerfully evident. B grabs it, by the front of his jacket. Character B moves the fact you [Stranger's choice]  
B picks A up by his jacket and standing face to face.

**Character B:** Where the hell you.

**Director:** Stranger's choice—  
It pushes A away from the table and jamming him up against the wall—discomfited—there's a quick defiance.

**Character B:** Where the hell you.  
B releases his grip on A and they hold contact for a few more seconds.

B then turns to exit, leaning.  
A sits up with attention. A can feel his options dimming and any hope vanishing.

**Director:** [To A:] Deal with the fact I think he's gone.

**Character A:** [Almost yelling.] Why? Because I won't play your games? I'm not that stupid!

**Director:** Stranger's choice!

A stumbles forward, now shouting at it in mock defiance, calling his bluff and playing his last hand.

**Character A:** Why? Because I won't play your games? [Laughs.] I'm not that stupid!

B now has A right where he wants him. Without taking the bait, B picks the room.

**Character B:** Don't panic!

The door should not be opened. A alone—helpless and disoriented, knowing he now has no options available to him and the hand of justice and retribution is about to fall [Director's cut]

"Scene Switch" has defined both actors to explore a detailed relationship, the status between the two characters, the skills at power, and also has uncovered a possible main event for the scene—in a conclusion, it has also allowed both actors to find opposite moments for their characters, extending the range of feeling covering more terrain.

This is only one possible version of this first take in time. This interpretation was obviously controlled by the director's sub-coaching. He was the director simply trying to let by what he saw happening between the two actors? And did he, therefore, merely give each actor the opportunity to explore the moment's full extent?

No one is "control" in such, as "Scene Switch" is a collaborative exercise where both actor-director and follow resulting in the same becoming changed—changed with respect and meaning. Both actors and director can walk where the scene leads them—the scene is each person's focus, the sub-coaching simply helps lift it into a sharper focus.

After doing no more than such as this becomes almost immediately obvious who the creative team are on the right track or not. The interpretation found above may be too charged, too confrontational for this stage of the film. If so, perhaps you know exactly what to explore—unknown is not, the "not knowing", the subtlety of power play, both characters aware

of what will trigger the other to give them what they want. The beauty of the exercise is that it shifts the most room of creative construction that leads toward creating the scene. This occurs when the scene is allowed to be exactly what the film needs it to be to propel the story forward!

Once again, the exercise detailed in the previous issue and this cannot promote practical and effective use of rehearsal time. They demonstrate these conversations that actors should—conversations where the sub-directors participate, where the scenes tend to any clarity, and the time would take any attempt at random action.

The actor's hand is best activated on the floor, not in comfortable chairs—in action, not in preparation.

You'll find less longer scene that the sub-coaching will make as the scene leads its feet and the actors find their legs. It's a tool to help build an atmosphere and to promote an array of choices that, once selected, will flow naturally.

**Note:** When sub-coaching, make sure you are close to the action and that you feel a part of the action. If you only coach objectively or technically, it will feel a hindrance to the performance. End with "Contact!" The final moment of tension built and the ready to tell off "Stranger's Choice" or "Bill from Chicago" at the moment the scene commences. As the scene begins to take shape of itself, "Contact!" may be the only side coach you need, as this will allow both actors the opportunity to level in the power of what is happening between them, and for them to personally feel the advantage before them.

Regarding each actor, make sure they stay inside the scene at all times and do not look toward you during the sub-coach. This is and that reason why you tried to be up to speed with them. The sub-coach should allow them to manipulate characters and each relationship should feel their own moment.

**Next Issue:** We will explore the exercise that helps to pinpoint what actors are involved in the scene and how by highlighting different atmospheric dynamics, the world of that scene becomes richer and more detailed. It will also help actors to realize when exactly what they did to make the scene so effective! ■

If the scene above was, originally designed by director Cole Edwards in 1944, and noticed "In his own paper")

## **■ 35 Opinion**

Everyone here is making a representation on the board. However, that doesn't solve the problem. The non-industry board is not a solution to a serious imbalance at board meetings because they tend to lock to the one or two "industry experienced" members as to how they should vote. Thus a tremendous amount of power and accountability is routinely given over to one or two people when the decision votes are made.

Who should be on the board? Lack of film organizations in Australia, such as the AFI, AFA, Film Victoria or the South Australian Film Commission, give it some grounds made up almost entirely of industry members. Who is better to rely upon about "the industry" than the people who work in it? It must be working well because this film industry is in a far healthier state than ours. It's time to get rid of the government-appointed seat films on our film Commission board and replace them with all industry practitioners who demonstrate a passion, understanding and commitment to filmmaking.

The NZFC's official position for the existing levels of funding is one of lowest levels in that the board doesn't have to know much, it can simply act on the recommendations of the chairman, and following NZFC staff. Of course, in previous years board practice has been to collect staff from meetings because the levels of instruction between board and staff mean if they couldn't handle it in the room, they couldn't handle it on the phone either.

Why not let those the NZFC staff for years, and let those who are officials it's like saying something had done one's better old woman or uncle. Let's just say that it's time for those blood some key NZFC staff members have become for the last 10 years.

Most international film funding bodies have a staff turnover every two to three years. It is not an administrative part of maintaining good client relations, and ensures that fundaments and responsibilities have a chance to flourish. The NZFC staff have an injection of imagination, vitality and initiative at every meeting. It has been my experience that when and experience in the violations of script development, film budgeting, film financing and deal making are the easily lacking in the current regime.

Support for our writers in particular has been recently inadequate. Script development skills are so vital; they are the foundation of our film industry. So much could be done to nurture,

train and support our screenwriters, but virtually nothing happens. Instead, the Writers Guild is told by NZFC that action scripts should be changed then dream scripts because there are too few of dialogue to write!

One of the most at-risk NZFC staff "think there" has been the implementation of the Low Budget Feature Film Programme. This has resulted in the NZFC losing many majority investors in the production of low feature films. Both NZ On Air and the TV broadcast have complete veto rights over script, and world sales rights are handled by Postman/Previews. It should be noted that Postman, which the NZFC publishes as a "financial sales" company, has, for the most part, sold feature films.

The writers, producers, directors, actors and crew are being expected to work for low sales called "creative professionals" and "low budget" or "creative professionals" pocket variable fees. But a major low budget film is in, and the chairman will tell you "It provides an opportunity for filmmakers to tell stories of significant length to develop their skills."

I know from experience how what a filmmaker's first feature is to one's career. You have to create a plan with low resources at your disposal. And to do so, and it is likely you will, never make another film. I think this is simply that NZFC policy is ensuring our talented young filmmakers low feature offerings.

It is an indictment of the existing film Commission that they do not possess the initiative to develop a "Low Budget Feature" that results in stories being told for those who are to be in cinema. In fact, in a wider context, this vision is clearly a consequence of the spirit of the Film Commission Act which was set up to nurture and develop indigenous feature films for the theatrical market place.

NZ On Air funds television in this country—why is it NZFC intending to those millions of our valuable feature film dollars at the small screen? Because it's the two part history. The way we can get, for both history's words, "more things for our leaders". With money, we can be seen to be funding not more product for less money and doesn't that reflect well on everyone? I think the NZFC needs to divert itself of a TV mind set and start to focus on the unique quality of New Zealand cinema.

This current NZFC decision with "low budget films" results in an expectation that actors and to cinema will

subsidize its activities. It leaves little doubt in my mind that the NZFC has been back with the rest of off filmmaking in 1997.

I wish there was some fight at the end of the tunnel. With both history's opinions, there was a widespread opinion within the industry. Eight months later, that opinion has now turned to disappointment. Very little has changed and the status quo appears to be firmly in place. We get statements from the chairman about "a fundamental, achievement" of the NZFC that is supposed to be going on. I find it hard to believe that any meaningful change will come from within when the organizations stuffed with career bureaucrats who are reluctant to rock the boat.

At this time, the Ministry desperately needs dynamic leadership to effect nothing less than a total reorientation of the NZFC. It is clear to me that we need an immediate, massive reworking of our Film Commission. We must formulate constructive suggestions for change and lobby government and the Industries Board. The New Zealand Film Commission has to be taken up and to build from the ground up. We do not want to start fresh, we want to re-empower.

Why can't we have an NZFC board consisting entirely of industry professionals? Why can't we have an NZFC staff populated by people with a vibrant energy, talent and initiative, staff who communicate effectively with the board, a Film Commission that has intelligence, effective policies, a Film Commission that treats all applicants with basic level of consistency and the passion, a Film Commission that produces cinema, not television?

This has been hard stuff to write as my career is entirely due to the early support of the NZFC and a big part of me wants to celebrate the role and my early work with respect to film. When I will be celebrating on the foundations that I have made along the way in particular the late Dr. Robert a key figure in both the early NZFC and my career.

However, when I think of how many people have put so much energy into making movies in New Zealand over the past 20 years, I think we have earned the right to a better Film Commission than the misaligned, directionless, self-protective mind looking body that currently controls our filmmakers.

Rewritten with the kind permission of Peter Jackson

## **■ 37 Paul Cox**

Tell me in a state of deep depression. Five years later I was asked to return to Tell me, which gave me the chance to apologize. I did. Not for what I had said, but for the extremely bad timing of the event.

I'm sure full feature, *Rememberance* (1976), was produced by Peter Jackson, whom I'd met during Cox (Jackson, 1971). When not making movies, Tell me is a reliable source of news, but his heart and soul were in the movies. Tell me was passionate about everything he did, except his own business. We had less than \$200,000 to make a feature and needed all the help we could get. Tell me was around exchanging ideas for small or big favors. He inspired me to make a feature, not a small movie with his ideas and think *Rememberance*. Once, while showing *Rememberance* to the country, I mentioned that it would be nice to have a preview screening by.

Within a hour Tell me had arrived with a passport under his arm and a big grin on his face. The next day a large white envelope appeared because the script required a home. Tell me can stop about of everyone and everything, including himself.

We were looking for the male lead and, as I had very little knowledge or experience at the performing arts, I let it go to Tell me to find the right man. One night he came to me and said that I was going to meet a great talent called Tony (Llewellyn Jones). Tony arrived the night. We took to find the script which nobody understood, including me, and he said yes, he would do it. Many years later he told me that when Tell me was told, he was convinced that Tell me was involved in pornography movies and that he only responded because of basic courtesy.

After completion of the film, dear Tell me is in his sleep.

Tony became a wonderful collaborator, actor, producer, politician and friend. Together we established *Rememberance* Film and throughout the past 30 years we've worked together—sometimes separately for a year or two, but always returning to each other. When people like Tony and Norman (Ruge), it would have been impossible to convince. Not to mention Bill Marshall, my lawyer and arranger of *Rememberance*, and Jim

Khayy, who was, and always will be, more than a brother.

Our instincts seek human identity, and yet, as they say, is a step towards the infinite. But to me the core of art is vision and kindness. Through vision we find deeper origins in the art, the sky, a simple leaf, a drop of rain. And kindness brings us closer to the child, closer to the gods. These gods don't always need to be divine. The primitive, private passion of Zorba the Greek, for instance, is also part of the story of art. Remains old food dancing on the bench, knowing everything about life. It's all so simple. But what are we without love? It's so much harder to run into Zorba's hairy arms than to escape into the shiny balls, wearing Perry Carter's underpants. To struggle into Zorba's smelly armpits than to join the beautiful people speaking in the unpleasant, artificial lilt of parents reviewing pilots.

Australia doesn't really have an own film industry because we shy away from our identity and the people who could reflect this identity. Our best-known filmmakers, like Fred Walz, Fred Schepers and Bruce Scowford, had to go abroad. If they hadn't, they would have suffered total alienation and their experience and technical brilliance would only have been wasted.

People with a recognized body of work are treated with a great degree of suspicion. Producers can produce one talking actor another, but, once a director fails, he is so close to his area his last days are the people who, in the end, actually make the movie. Usually these people have very bad terrible hair, and handle their proximity as much as anyone that usually more so. Is it any wonder that these encounters resemble themselves sometimes as antagonists and a ridiculous state of superiority?

When it became known that I'd accepted to make a film in 3D for the IMAX Corporation, I received several mixed reactions. One came from a struggling filmmaker in Germany: "I'm deeply disappointed. You're one of the few who kept me wanting to continue — who remained independent and didn't tell me 'Why do something so blatantly commercial now?'"

There's something "blatantly commercial" about *The Hidden Dimension*. Gila Beatz wrote a book, *The Thousand Hours in a Lifetime*,

about Albert Einstein, who, as a New German who'd travelled from the Stone Age to the New German present in half a century. Why, then, couldn't I travel from my rubber-band factory to the very latest in film technology? It also coincided with a desire to work outside of Australia, to get away from a bureaucracy that was making it more and more difficult to keep being a filmmaker.

*The Hidden Dimension* wasn't a call from Hollywood. The producers were dedicated, talented people who were very idealistic about their movie and gave me much trust.

It has been said that all activity of man begins as dreams and then becomes dreams more and more. The

very story with ordinary people. The IMAX three-dimensional format would make it extraordinary. The film is about a quiet modernist by a young girl — as set by her grandfather — to encourage her to see more deeply into life. The "hidden dimension" refers to the universal of macroscopic life forms which share our lives in another universe. It was very important to make the people feel and look real. Any 3D-dimension would cheapen the film.

The idea of perfect perspective is first seemed impossible. The camera had to "breathe" as well, and how do you make a camera dance when you send four people in carry the bloody thing? In addition to me, characters,

being the great new medium for the twenty-first century. It is a glorious medium in which dreams can right inside the picture. There is nothing visual about this reality.

Of course, one approach started a few brown strings for the IMAX leadership. Barbara Kari, Julia Luffon, Margot Wilson and myself modestly created the script. I'd never worked as an atmosphere of such uncertainty. The man in charge wanted the script to be happy. 3D is not a happy medium, I tried to make our film as much a way that life could be done in dream as in fact.

I was worried that to work with a large crew and many technicians would be difficult, but I found the whole process most rewarding. The production team and I were on the same wave length, all we had to do was stay away from the experts in dynamic state. The film was almost unanimously well received, with great critical acclaim. IMAX produced a special brochure using all the marvelous reviews. That was apparently too much for our executive offices, who wrote an amazing article in the IMAX magazine to partly to bribe that the film "turns a when the audience returns?" He ended by saying, "People are human and therefore make mistakes." The idea was wrong, it was let what about the role "From Making Movies Great?" and not *The Hidden Dimension* was not my choice.

Further, the pace was too slow, according to various surveys. I'm left also documented that audience satisfaction was very high. He was concerned to release films that "have broad appeal, usually a director's mandate and deliver at the box office." Yet it's like that sometimes the audience's tastes and challenges each person to view his or her own mind with open eyes and an open mind has maximum value. How can one compete with an ego of such considerations? An audience — especially an audience of children — needs to be respected. They need to be allowed to interpret the story themselves, find their own dreams. ☼

*Reflections: An Autobiographical Journey* (pp 328 \$5) is published by Germany Press and will be launched in May at the Sydney Writers' Festival. Germany is simultaneously publishing *Three Sonnets*, *Lately Heaven*, *My First Wife* and *A Woman's Tale*, at \$24.95 (pb).



painter Giorgio de Chirico told that his life, and thus his dreams, were always three-dimensional, and changed to paint in 3D. When I accepted the IMAX challenge, I remembered de Chirico's bold statement: I stood for many hours at least of his paintings, sometimes with wide open eyes, sometimes with half closed eyes, sometimes closed eyes. I saw no 3D forthcoming. But de Chirico led me back to Vienna. With chalk lines, Vermeer achieved what I now see as "perfect perspective." The very key to the magic of 3D.

We were trying to film an ordi-

nary camera in a room from which still hasn't been used. It grows as loudly that as small spaces the scene can't even bear one another speak Italian presence, endless relations, endless induced challenges. On these propositions, Charlotte Bellus, Greta Delavertina and C David Johnson, perverence, sustained coat, and stood their ground.

The IMAX format gives us images that are amazingly beautiful. We are guided into an extraordinary world where the eye can travel, explore, find poetry in the all the signs of









GARNER MACLENNAN DESIGN

RENDERING SPECIAL PRODUCTION  
AND DIGITAL POST PRODUCTION

FLANDERS  
HERRY DE  
PLAER HARRY  
DE WITTE  
ALMA / MAYTOST SOFTWARE

THE WILLIAMS  
ROOMS ABOUT  
AUSTRALIA  
E. 011 011 011 011  
E. 011 011 011 011  
E. 011 011 011 011  
E. 011 011 011 011





© 2000 Blackwell Science Ltd  
Journal of Internal Medicine 247: 105–112

the opening of New Markets, allowing post-9/11 people to move in and set up a new art production with national cultural policy.

Copyright © 2006 by John Wiley & Sons, Inc.

In terms of actually selling systems, Ritzer Seville is a reseller of SGA plant farms as well as Alga/Watford and Orinval Light Systems. Future Realty has six people, each of us, interested offices with the emphasis in terms of actualizing systems, already the active service companies in inquiry, and I am in Baltimore.

Most fire and inhibition OGI equipment is now handled by clusters of companies in the Sydney region, in Affinity and Power West. Already for its flexibility, installed systems in large and diverse power stations such as the 600 MW Lismore Gas-fired Power Station and the 1,320 MW Bayswater Coal-fired Power Station, and the 1,320 MW Bayswater Coal-fired Power Station, and the 1,320 MW Bayswater Coal-fired Power Station.

It's unlikely that work can now work at higher volatility levels—and attack the 50-hour firm as well.

Adams died by a heart attack. Manager, Stephen Byrne, calls it "blatant" as a result of his drinking on the way to work on the post, but, as much smaller plaques and a slower throughput. "Now the guys greet them the ability to put it a week, but more than."

[illegible]

The speakers really gave everybody a kick when the First President stepped up to be certain that our people not only had to come on there and learn how to use them, but had to get aboard the high steel, high speed, great discovery of virtual reality, which means revenue producing employment. [www.dn-](http://www.dn-)

**Stephen Syner:** People were coming in on a week end, at night, and our systems were fine, always voluntarily to leave the program. So, the idea has been to place the [low-cost] Q2 systems, which will still use the software — an ideal training platform. Future Reality has also

## Walking on Water

by Harrie Smith

**C**ollaborating business leaders are not the only ones who need hardware and software. For example, a video post about a new movie

If you ever need to set up a tapestry of the Statue of Liberty (spelling series), the Pacific Ocean is an ideal destination. Spelling Magazine, Gary McManis' Dinosaur is up. They've already done it — for a quick 10-page commercial — using Silicon Graphics, you can see with all the detail that you need. It's a real image of this statue. It is coming highly accurate as the American Museum of Natural History, New York, has

Free good, but otherwise, and it is also, generally, free to set up and operate these plants.

A company seeking to encourage its workers uses 401(k) as often as incentive and, as far as FICA is really, based in Medicare and Social Security. Social Security is a bright shiny dollar or two in supplying the high-end Colson & Kaphan hardware and specialized software to support this entire system, but the company is approaching the whole Social Security component as a tax and not the other way around.

1000

Realizing that virtually all types of effects are in play in each generation and that particularly in tests = procedure = results and not only for speed

Lauren and the others? I guess Bentley has set up a virtual meeting place, a murmur of Dejeu's earlier pessimism is helpful if Dejeu's hope is about himself, not his — and maybe others — friends. So drive the debate online? Future Bentley's are probably help, and it will be. But I guess of those blockmen in the OS work on the study link location at Ro-Cook, Melbourne.

The thing gets even more of CBI spirit when we go back to the drawing of a network of 50 workstations running IL Flat software. The Flat systems fed to Onyx running CI Log's Flame software. All the eyes and software was lifted from Eugene Paul's

A major benefit in the way things will be done is the change in leadership.

instead of those with post-production team liaisons on the computers that they're used for training purposes. Systems installed in training agencies three two or three years back are now producing trained and skilled judges.

## Two-eyed it not

Future Reality also plans to set up a larger training and seminars facility, not in its new Atlanta premises, but in a new simulated training classes for customers.

Spert explains that most of the people who work for Future Reality have come up through either product sales or the print industry.

"We very much appreciate what somebody who's "hugger" so on the phone. We know exactly what that means and so does our engineering team. The fact that we're based in the heart of the industry means that it's a two-minute walk down the road to some state—or a two-minute run depending on the urgency of the situation."

## Levels

As a platform, Silicon Graphics is the one which has been accepted by the film and television industry. Future Reality's Dennis Armit and G. Hill explains:

The entry level is the CG single processor system, which is used across the board for 3D animation systems, and for low-level compositing systems from Decade Laser. In the mid range, where people need to do more serious line work, there's the two processor Cinema system. As you go up into the higher end editing and compositing systems, most applicable to film work is the Onyx system. These start off in two to four processors.

The highest system that is installed in Sydney is the system in 12-processor Onyx system used by top design house Cornet McLennan, design Decade Laser Plasma software. Cornet's also use it for a lot of 3D rendering work.

In NSW, Future Reality currently has 200 more than its 50 machines. G. Hill adds that:

the support people have been very strong throughout both in USA, as a very technical end, but also in the advanced post production end, and so on. So it's a genuine application problem, a specific hardware or software problem, or an operational problem, we cover all our bases.



## ANY DIGITAL PICTURE

McLennan and Sydney is acknowledged as the country's benchmark of film and television production. An unusual aspect to this is the operation of two post houses—running under the one banner—used in reality and offering partly match the same services: talent and locations.

Any Digital Pictures, as it is known in Melbourne, is still housed in its long-term quarters at Davis Street, South Melbourne... while, for its part, Digital Pictures' Cinema team, Sydney, base is right in the middle of the city, at Chippendale Street.

John Fleming, Melbourne MD, admits the company uses the brand "Any Digital Pictures" more to its Melbourne, because of the 12-year history of the name. He believes too, he registers, "a last thought the pre-production side of things, although we still do quite a bit of commercial work."

Part of the value is a "major part" of drama for both feature film and television. Services include daily Macintosh editors and post work and numbers of technical staff.

Notable was all the Cinema for a project called *Blade Runner*, a feature film. The whole post package was handled in

NSW, Fleming points out and the group can move easily between NSW and VIC.

Any commercial services include Foley and the motion language Under the Sevens system. Currently in progress is another system called Titan, designed for effects the company is supplying. Closs adds that it is the post work for local series such as *Twisted Tales*, *Red Dingo*, *Madison* and *Dance Club*.

Generally, Melbourne handles the long-term output while Sydney the shorter product, the thing against this is that it is the case, but admits he has to be careful, because obviously Sydney does quite a lot of work work as well. In some of the visual effects, it has feature, film and a variety of CG work, where comparing the two locations.

Closs (Melbourne) approach has actually been because of the fact that with the long films work, we're dealing with team changes, so we need to look for more cost-effective solutions to meet the demands of close ones.

Geoff Closs, Head of Visual Effects at Digital Pictures in Sydney, agrees with this view that his group has been towards commercial productions. But he counters: "We're coming from feature film television commercials and

series work, with design and visual effects as a core part of our business."

In the latter case the company has scored a five-point in the UK, Europe, the USA, New Zealand and South-East Asia markets. One major project recently was the visual effects supervisor, design and 3D graphics for a *RoboCop* (Gordon Langford), created by a director production company.

Closs says his team is working with "a whole plethora of toys that make the place round the world have now". These toys are split into basic computer graphics, CG and individual effects work, using Flame, Inferno... and "all the same toys used to make *Blade*".

Feature work is ongoing as the company handles "anything that daily makes a transition up to visual effects agencies and then into digital design". Closs describes as "visual film in post house" the company's activities in graphic computer design and imaging. This can entail "the design of a corporate logo that works in any medium, in print, in television."

And where does Digital Pictures sit in the market? Closs claims: "We cover the top 10 percent of feature film, top 10 percent of commercials, and top 10 percent of pre-production work."



**comotion®**

REALTIME  
INSTANT FEEDBACK EFFECTS  
FOR THE MOVING PICTURE



**Media Cleaner™ Pro**

OPTIMIZE & COMPRESS MEDIA  
FOR THE WEB, CD-ROM & DVD



**After Effects®**  
PROFESSIONAL COMPOSITING  
& EFFECTS FOR THE DESKTOP

Autodesk Software



HIGH QUALITY VIDEO  
EFFECTS & TRANSITIONS



**Infini-D™**

THREE-D GRAPHICS  
& ANIMATION



SUPERCHARGED EFFECTS FOR AFTER EFFECTS®  
ILLUMINAIRE™ & AVID® ICEiX EMPLOYS 42  
SHARC PROCESSORS ON A SINGLE PCI CARD.  
ON-THE-FLY EFFECTS EDITING IS NOW MORE POWERFUL,  
PRODUCTIVE & INTERACTIVE THAN EVER BEFORE.

**TRANSPIRE™**  
**STUDIO BOSS™ FC**

VIDEO-CHANNEL ENTERPRISE NETWORKING  
FOR DIGITAL CONTENT CREATION.  
STUDIOBOSS™ FC SUPPORTS MULTIPLE  
STREAMS OF COMPOSITED OR  
UNCOMPRESSED VIDEO FROM  
NETWORK STORAGE.



**MEDIA 100®**  
DIGITAL VIDEO SYSTEMS

# THE COMPLETE PRODUCTION ENVIRONMENT

**adimex** Pty Ltd (02) 9332 4444 Suite 5, Level 5,  
288 Liverpool St, New Sydney NSW 2010 | fax (02) 9332 4244  
website [www.adimex.com.au](http://www.adimex.com.au) email [info@adimex.com.au](mailto:info@adimex.com.au)

Media 100 is a registered trademark of Media 100, Inc. After Effects is a trademark of Adobe Systems. Comotion is a registered trademark of Pallas Design, Inc. Transpire and StudioBoss are registered trademarks of Transpire Technology Corporation. ICE and ICEiX are registered trademarks of Illuminaire Computing Systems, Inc. Floris is a registered trademark of Fluid Technology, Inc. All other trademarks are the property of their respective owners.





moving NAB, Los Angeles, is a real convenience, "because if we have more people there, we don't have to really wonder questions as to why they're coming here. It's all over the line."

This year, the expo is to see more convergence type products and devices offering higher storage, higher speeds and more operational efficiency.

#### NAB's time cycle

It isn't expected that Post-Production World, NAB's Project Manager handling graphics products, would be making the Los Vegas trip.

On the schedule on meetings with suppliers - outside the exhibition hours, Andrew Patten will spend likely spent between a half to a full day looking at other stands. Then spend the rest of the time on the suppliers'

"Working with Toronto and LA you're just got to get up early in the morning on the 10th or 11th to talk to them from this end."

However, he stresses this with the disclaimer that he's not the feeling "can be done from here", adding "the international travel side of things isn't that crucial any more. Most of my suppliers are close via email these days."

Perhaps it is too - a virtual NAB?

#### The Future Reality is now

David Edgar, of Future Reality, plans to be one of those travelling to NAB. "We trust NAB really strongly. I'm going myself plus the corporate managers from our head and field offices, not the manager of our central division [which had its focus on Mobo Duct]

conversion to the city within The Sands Hotel, the Las Vegas Convention Centre is part of the Las Vegas Hilton. Edgar admits he's

always on the lookout. "We go to these shows really for several reasons. Firstly, all our manufacturers have sales meetings, new product launches, etc., during the show. It typically it may be the only face-to-face contact with a lot of our overseas suppliers."

Secondly, we go there because our clients go there, and we like to try and meet them in getting private demos in the various spaces. "We see all these people [American clients] all the time - but it's nice to have them all in the same place so what usually is several ground."

The third reason the FR people travel to Las Vegas is to see emerging technology or new products. Now

at various on dates that are relevant with the company's activities. Edgar: "We're pretty happy that our own product representation but it's always good to look at - to see an exposure in the computer industry - what the makers in the market are doing. Future Reality Edgar claims, is "very computer-focused", and he adds that over the years

the big change FR sees is the delivery to market. "When I first went to NAB, you could actually look at products that would be deliverable and released in PAL, 12-18 months down the track. Now you are looking at products that are not in the field 3-6 months later. Now is not a card, as Edgar has put most reason for going last night to a show."

The great thing about a gambling town, a food, a cheap, accommodation - a cheap, taxis are cheap and they're readily available. It's actually a pretty cheap place to hang out and the cost per head of getting there, versus say Europe, is probably half. So we tend to focus a larger group of people on NAB."

#### Tactical

Peter Chamberlain, Technical Marketing Director, says his company tends to "make sure that all of our suppliers get some exposure to our Australian customers", adding it is essential to "find out who are the customers that are going to be there, and by and introduce them to the new products the suppliers have".

Chamberlain will be accompanied by MD Ray Ireland, Chris Patten, Technical "Implementation expert" and Sales Director Chris Pennington. The team expect to see the visit "as an opportunity to see what the competition is doing, see what the other local distributors and major merchant factors have to offer."

A big tip off for the company is the release of Softimage's new digital character engine, an old digital release at IBC, adding, "It's going to be a big launch of NAB because the Americans have not seen it yet." Titled expected to exhibit it at Digital Media World in March.

And what's new at NAB?

Chamberlain: "I know there's going to be some new stuff from Access - their specialty in the direct Access has really got some new products, one of which is introduced at IBC, previously designed for the storage of video and audio, and potentially for editing."

A key feature for this product is that you can do non-destructive previews of your video, unlike a normal tape machine where you do the preview and wipe away the old material when you do it. With a disc system, you can do a pre-read, and write to different sections of the disc, so you can do it over and over again."

Technical handles approximately by two pieces in Australia and, Chamberlain explains.

One of the key things that the suppliers are looking for is someone who is well known in the local market and has been around for a very long time. Our specialty is the use of PCs with software. We're not only understanding of television and all of the technical requirements of that, but also we understand PCs. Anyone who supplies products that every cheap new cheap together really looks appear as if the local support."

The NAB Web site is at [www.nab.org/convention/](http://www.nab.org/convention/).



events, meeting with people and looking at new products. NAB's representatives.

On his 1999 NAB trip, company MD Henry Shapiro took the opportunity to visit Digital Domain while their core pay independently dealing with Texas. Shapiro takes the opportunity "while we're in the States to visit people that - limit is visit the LA area as if some of our suppliers over there."

Shapiro sees NAB as valuable from the clients' point of view, "because they get to see technology six months before it's released. It helps them in their purchasing cycle."

One of the big things the NAB's this year is the appearance of a new version of Illusion, now fully integrated audio and totally compatible with the digital editing products.

The NAB only may lead him to their accounts, but on returning, Shapiro will find the tyranny of the time difference to view-up clients a bother.

Believe it or not, it actually gets easier every year. You take great shots of it and you eliminate the unwanted. The show is relatively well organized in terms of grouping together similar exhibitors. I've come from on the radio hall in my life, never been into transmission, receiver, look or CD case. Edgar reveals that, now the exhibitors' companies people have been contacted in the Sands Hotel exhibit hall, he spends 90 percent of

**Believe it or not, it actually gets easier every year. You take great shots of it and just eliminate the unwanted.**

his time there and 10 percent in the main hall.

This year, NAB's split into two: the main Las Vegas Convention Center (in the Hilton), "where the traditional television people hang out", and a smaller

because the per head cost for us is lower."

Whichever previously taking the main thing from Edgar admits: "that 'Compared to other convention towns, it does serve its purpose very well'."



[illegible]

**PolyGram**

**MUSIC PUBLISHING**  
**SOUND AFRICA**

## Ring Any Bells?

From one day shoots to big budget features, Cinesure welcomes enquiries in the early stages and are always there to help with friendly advice on the risks involved in film and television production and how best to insure them.

**When it comes to insurance, come to the name you know.**

**CINESURE Underwriting Agencies**  
Level 10/1 Elizabeth Plaza, North Sydney, NSW 2060.  
Phone: (612) 9954 1477 Fax: (612) 9954 1585



LOOK OUT FOR ISSUE 125  
OF STANDS IN MAY



## Atlab Group Expansion

by Scott Murray

**T**he Atlab Group has almost completed a full year's expansion of its Sydney and Melbourne operations in response to growing domestic and international demand for its numerous services and facilities.

The Group, wholly owned by the Top ten listed company Australasian Holdings Limited, opened new facilities in the two major capitals in February and March.

Ron Robson, Group General Manager, says the expansion is a crucial step to ensure Atlab, which comprises five divisions - Atlab Australia (Sydney), Atlab New Zealand (Auckland), Atlab Queensland, Cinevis International (Melbourne) and Dfilm Services - can meet the demands of its clients going into the end of the year.

The new projects involve:

- Moving the bulk, release printing of Intertec and Intertec out of Atlab's Hawthorn Parade facility in Melbourne to the neighbouring North Shore suburb of Lane Cove. Robson says, "This will be a major benefit for our clients as we are enabling the Hawthorn Parade facility to focus purely focus on, and further enhance, the processing and post production services already available to Australian and overseas producers of feature films, television drama, commercials, documentaries and short films."
- The refurbishing and expanding of Cinevis Laboratories in the new Melbourne suburb of Balaclava,

"It will seem like a brand new facility", says Robson. Cinevis already offers negative and print film processing and a full range of post production services. In addition, the Cinevis laboratory will soon offer a digital film service, a first for Melbourne.

The splitting of the Sydney based Dfilm operations into two distinct business units. Atlab's division supplying the world's with a full digital image service including laser films to film transfers, whilst Dfilm will concentrate on digital effects. Atlab also will be able to offer a digital service and be linked into the laboratory services side of the Sydney and Melbourne operations. Dfilm will concentrate on the creative and technical requirements of producing international standards of quality for digital 3D film and all its effects for feature and commercial.

The refurbishment of the Hawthorn Parade facility in Sydney of a new Harrison Series 25 fully automated sound mixing console to replace the existing Quad II Consoled. The decision on which console would best suit the needs of Australian filmmakers' major strategic investment and investment into current and future international post production procedures. Robson says, "Consultation with key local producers, mixing personnel was also part of the overall and also making progress - a process which will continue during the design stages of the new console."

# LOOK! I HAVE FOUND THAT UNUSUAL CLIP - WHERE ? - NONE OTHER THAN AT **FILM STOCK *Research* AUSTRALIA Pty Ltd.**

We have unusual film clips from 1895 - 1980s for  
TELEVISION COMMERCIALS  
DOCUMENTARIES  
TV DOCUMENTARIES  
FEATURE FILMS  
CORPORATE and MUSIC VIDEOS

One of the biggest privately owned film libraries in Australia  
All material on 35mm or 16mm film - In house transfer to SP BetaCam  
using BOSCH Telecine chain for fast turnaround.



**FILMSTOCK *Research* AUSTRALIA Pty Ltd.**

Clients and Associates WorldWide

323 PRINCES HIGHWAY, BANKSIA 2216

NSW - AUSTRALIA

Phone: (612) 9556.2833 Fax: (612) 9556.2844 Mobile: (612) 018.20.2259

**FAX FOR FREE DEMO TAPE**

THE MELBOURNE SCHOOL OF FILM & TELEVISION (a division of)

**ABRACADABRA FILMS**

**SCREENWRITING for FILM & TELEVISION**

Short Course commencing soon

Ran by acclaimed writer, Ian Robinson, the screenwriting course explores the classic models of narrative film structure including Joseph Campbell's, *Hero's Journey*, which has influenced filmmakers such as George Lucas and George Miller and has become a standard tool for analysing story structure in cinema.

To reserve a place or for more information about other Film and TV courses ring (03) 8347 6780

## MIRANDA BROWN PUBLICITY

From the cutting edge to the corporate

We are a flexible, dynamic PR company specialising in publicity for a wide range of clients in the arts and entertainment field, and able to offer a tailored and fresh approach to each campaign. As a traditional or alternative agency, projects range from film, book and multimedia - publicity, media events, launches, conferences, award ceremonies and more. In short, we're there, creative and ready.

**CREDITS AND CLIENTS INCLUDE:** • Local Radio Music Festival 1997  
• Sydney Film Festival 1997 • Book on film and publicity  
• Year End Gala, Entertainment Australia  
• Hospital • New South Wales University and a new publicity  
• New Music Festival 1994 & 1995  
• Big Day Out Music Festival 1997-99 • Show  
• Seafood Festival • City of Sydney and City of Sydney • Melbourne Australia  
• City of Sydney • City of Sydney • City of Sydney • City of Sydney  
• Green Day • The New Orleans • Cleveland • Major Cities

TEL: (03) 83 94 19 0031 Facsimile: 83 9417 4415

## ELECTRIC SHADOWS BOOKSHOP

- FILM/VIDEO PRODUCTION • SCRIPTS • NATIONAL CINEMA
- BIOGRAPHIES OF DIRECTORS/ACTORS/PRODUCERS
- VIDEOS FOR SALE INCLUDING FOREIGN LANGUAGE

Special Orders/Mail Order Welcome

Join our free mailing list for a quarterly update of new books and videos

OPEN LATE: MON-SAT 9-9PM. SUN 12.30-6.30PM

City Walk off Arden Street, Canberra City Tel (06) 149 8322 Fax (06) 347 1236



# HM3d Graphics Systems

COMBINED SOLUTIONS FOR EDITING, COMPOSITING, SPECIAL EFFECTS AND ANIMATION

HM3d



Virtual  
reality

matador



Flusion



Avid

**fLexibility**  
UNLIMITED

From a powerful 3D rendering and animation engine to a complete 3D environment



SIDE EFFECTS  
SOFTWARE



3D ANIMATION TOOL

**Houdini**

Houdini is a powerful 3D rendering and animation engine to a complete 3D environment

Avid Media Composer



Avid XPress



HM3d Graphics Systems 3 / 1 Ridge Street, North Sydney NSW 1580 Australia ph 02 9929-0131 to 02 9929-0149

<http://www.hm3d.com.au/>



# Subscribe to Cinema Papers and Receive a Free CD\*



\*While stocks last

# **Subscribe Now**



**and save up to  
20% off  
newsstand price.**

Story: Jim Hill



## Digital Media World '98

by Tim Hunter

**D**igital Media World got run from 10 a.m. March 24 at the Sydney Convention Center in a bustling portside, and showcased the new landscape and features that make the film and television industry tick. It was also a chance for locals to meet and converse with some of the great what's happen'g in the multimedias.

When Disney-Cambridge took the show to its 15th year of the same format, the show-observers didn't stop at manipulation video that for all to see. At this year's Australian Effects and Animation Festival, which ran as part of Digital Media World, the offer appears to be to show those things happen'g was associated with their own. Senator Richard Nelson also opened the Festival, reminding "the fact that digital graphics and digital animators the chance to share ideas and expertise with one of the business producers of digital magic in Australia and overseas."

But where does Digital Media

World fit in with the local market?

William J. Hill, head of the industry development group, says that the new product presentation is a reflection that this is more than a show about for computer artists.

Add to this that it is the most visible and profitable production show and conference and the world's largest and of based industry involvement.

Jeff O'Leary of Warner Bros. Animation Design Services "We are in the Hollywood of the New Pacific Ring on 100th Street and 4th Avenue, currently the most important building in the city of Los Angeles and the most important."

William J. Hill, head of the industry development group, says that the new product presentation is a reflection that this is more than a show about for computer artists.

With the increasing pressure to move the world the exhibit's use of this type to be the first and last of the very best, this event provides a worldwide showcase for bringing all the emerging technologies of digital media, interactive multimedia and film and television production together.



# designers for television

project styling / sets / graphics



EXTRA

STYLING

14 ridge street, north sydney new 2060 australia

telephone / +1 31 9553 3440 fax / +1 31 9553 3800

contact / michael murray web site / www.extra.com.au

e-mail / info@extra.com.au











TRAVEL  
AT  
THE  
SPEED  
OF  
THOUGHT

Think

Done.

You've got 15 minutes. With a STRATASPHERE™ non-linear editing system you can do 33 layers, 19 DVEDDS™ effects with drop shadows, 26 wipes, 17 alpha keys, 44 dissolves, 3 title rolls, composite it all, mix your audio, finish 4 different versions, and still have time to change your mind. Imagine what you can do with 20 minutes.

STRATA SPHERE

THE KEY TO UNLEASHING YOUR CREATIVE  
POTENTIAL IS WITHIN REACH.  
EXPERIENCE REALTIME CREATIVITY  
IN THE FAST LANE.

The Ultimate Drive Machine.™

CALL US NOW TO SET UP A TEST DRIVE.  
[ 800-99876119 ]

scitex   
DIGITAL VIDEO

SEE [WWW.SCITEXDV.COM](http://WWW.SCITEXDV.COM)

  
VIDEO SYSTEMS  
DIVISION

# DIRTY DOZEN

11/20/2014

confronted. For example, a 100% increase in the number of people who are better educated than the population median is associated with a 10% increase in the probability of being employed.



## THE DIRTY DOZEN

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	Avg
<b>AMISTAD</b> <i>Steven Soderbergh</i>	5	4	-	-	3	7	-	3	3	1	3	7	3.1
<b>AS GOOD AS IT GETS</b> <i>Janeane Garofalo</i>	6	9	8	3	8	9	9	8	9	7.5	7	8	7.8
<b>BOODIE NIGHTS</b> <i>Paul Thomas Anderson</i>	8	8	7	8	7	7	8	9	4	9	9	-	7
<b>DEVIL'S ADVOCATE</b> <i>Taylor Hackford</i>	7	6	-	2	4	8	-	1	8	8	8	7	6.3
<b>THE END OF VIOLENCE</b> <i>Wesley Craven</i>	4	-	8	7	7	8	8	3	8	8	8	-	7
<b>JOHN CREEHAM'S THE RAINMAKER</b> <i>Francis Ford Coppola</i>	8	7	8	3	4	8	3	3	-	4	7	-	5.3
<b>MAYBE IN ROSA (MY LIFE IN PINK)</b> <i>Halla Bartlett</i>	-	9	8	2	4	-	8	8	7	8	8	8	5.9
<b>LA MÈRISE (CONTENTMENT)</b> <i>James-Luc Godard</i>	10	9	7	10	8	-	10	8	8	5	9	9	8.3
<b>HOUSE HUNT</b> <i>Gary Nardino</i>	7	7	3	3	7	7	8	9	7	8	8	-	6.5
<b>OSCAR AND LUCINDA</b> <i>Wesley Armstrong</i>	9	7	-	3	8	7	3	3	3	5	8	7	6.6
<b>THE POSTMAN</b> <i>Kevin Costner</i>	3	3	3	3	0	3	-	1	-	4	1	3	3.1
<b>THE WINGS OF THE DOVE</b> <i>Wesley Craven</i>	-	7	9	8	4	8	7	7	9	7.5	7	9	7.7



The manuscript of the *Alphabet* is now preserved with numerous other manuscripts in a 14th-century book. It is a further proof, I think, that the manuscript of the *Alphabet* is not a copy of the original, but a copy of a copy. The manuscript of the *Alphabet* is now preserved in a 14th-century book. It is a further proof, I think, that the manuscript of the *Alphabet* is not a copy of the original, but a copy of a copy.

## SPOTLIGHT: A National Health Interview Survey

When his duties first led him to release *Le Vagabond* (English title: *SAVINGS*), the distributors liked it for the "economic" price—the film barely got a release. The needed one of the noted Cinéma-Clair head, René Clair, to "fix" the picture. The "fix" sequence was cut out and the film re-released, so many on the movie called Clair's efforts on the cover as a red wax. In all, it's the same as if I had left a perfect movie for Clair's little "fix" (but he's far from Clair's, and it's only a small "fix" on the

Published Under the Journal Policy: Each  
Published work represents the authors and  
not the publisher and its editorial staff.

To top that, the film was edited into English, which meant the parallel Narrator (Kevin McKidd) had subtitles to go to the dubbers. Invented some of the most rabidish dialogue in the history of cinema to cover for my incompetence.

Figure 10. Most common *A. baumannii* serotypes were found in the majority



and the five men made the million-dollar loan letters from Godard to his former wife. Now it is going off to a judge.

blake

forple - a true story

for lemmings

frames

large, strong

four and halfing

four in space

ultra close shot

frames

new technology

colours, journey

franchise

ending, private eye

group school, piece to a whole

in double

the little classroom

golfers, chess

golfers, a friends

the victory

ford, storage

chase a park

my friends, new line

catch, unique

fade in, activation

the premiere

articles, the difference

the way of last children

humble

older light, darkness

with, the way to new world, a new

# the

**milo** - the speed, portability, precision motion control.

# world's

# best

# moves

eliminate feed with multi-feed, 125 stop motion to 125fps, log data, report, report, stills and software on net presentation

[ t h e r e , n o w h e r e ]

for a milo feed and full speed, call / please checkman pty ltd, motion control and its phone 07 6676 6776 or 0412 241 222



max long height 4.7 m



max long reach 10.2m



max block speed 100mm/s

**milo**



ambience  
post  
design



ambience  
post  
design



ambience  
post  
design

ambience  
post  
design

ambience  
post  
design